नगर संस्करण

गुड इवनिंग

सांध्य दैनिक

इंदौर-भोपाल-ग्वालियर से प्रकाशित

पेज-5

कुक्षी मार्ग के रिसावला में खतरे की सड़क

अलग अंदाज़, अलग नज़रिया | इंदौर, मंगलवार, 15 जुलाई 2025 | मूल्य एक रुपए | ■ पृष्ठ : 8 ■ वर्ष : 09 ■ अंक : 117

www.goodeveninglive.com | https://www.facebook.com/goodevening01 | www.goodeveningonline.com

साबु का रजिस्टर्ड लोगो – उत्तम स्वाद संग स्वास्थ्य की पहचान !
सात्विक, पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन विधियाँ बनाएँ- More than 250 Recipes

सही और प्रामाणिक खरीदारी हेतु पैकेट पर साबु लोगो देख कर ही खरीदें

हमारे वीडियो चैनल https://youtube.com/c/SABUTRADE पर करीब 250 से उपर साबु उत्पादों से बनी विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन विधियों में से चुनें और स्वयं बना कर आनंद लें !

For distribution in unrepresented areas, contact: 9442605753 or Mail: sabutrade@sabuindia.com
For more information please visit https://sachamoti.net
For online purchase visit https://sabuonline.com

सच्चासाबु एगमार्क साबुदाना
सच्चामोती एगमार्क साबुदाना
चक्र एगमार्क साबुदाना

साबु ट्रेड, सेलम के उत्कृष्ट स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद

सच्चामोती एगमार्क साबुदाना
सच्चासाबु साबु-पापड़ (3 वैरायटी में)
सच्चासाबु ग्लुटेनमुक्त पोषक फेरियाली आटा
कुकरीजॉकी श्रीधान्य (मीलेट)
अल्पाहार मखाना (फॉक्सनट)
अल्पाहार एगमार्क सेलम हल्दी पाउडर

Short News

टेस्ला ने मुंबई में खोला पहला शोरूम

मुंबई। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मेकर मैक्सिटी मॉल में टेस्ला ने आज 15 जुलाई मंगलवार को अपना पहला शोरूम लॉन्च किया है। भारत में यह पहला शोरूम है। दुनियाभर में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहचान बन चुकी यह कंपनी अब भारतीय ग्राहकों के लिए भी अपनी तकनीकी और पर्यावरण-संवेदनशील वाहनों की श्रृंखला लेकर आई है। भारत में टेस्ला के आगमन को लेकर लंबे समय से चचाएं चल रही थीं और अब यह सपना साकार हो गया है। कंपनी आने वाले समय में देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी शोरूम और सर्विस सेंटर खोलने की योजना बना रही है। इस शोरूम में टेस्ला की गाड़ियों का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकेंगे। टेस्ट ड्राइव बुक कर पाएंगे, वहीं से ऑन-स्पॉट बुकिंग और ऑर्डर भी कर सकेंगे।

पहले सोमवार उज्जैन पहुंचे 2 लाख भक्त

उज्जैन। मध्यप्रदेश में सावन के पहले सोमवार पर उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन के लिए 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। तड़के 2.30 बजे महाकालेश्वर मंदिर के कपाट खोले गए थे। शाम 4 बजे महाकाल की सवारी निकाली गई। शिप्रा नदी के घाट में पूजन के बाद सवारी मंदिर लौटी। इधर, प्रदेश में खंडवा के ओंकारेश्वर में सुबह 5 बजे मंगला आरती हुई। ओंकार महाराज का फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। नैवेद्य में 56 भोग अर्पित किए गए। मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर, रायसेन के भोजपुर मंदिर में भी रात तक श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़े। आने वाले अन्य सोमवार को भक्तों की संख्या और बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहे है।

धर्मांतरण के लिए दुबई से ट्रेनर बुलवाता था छांगुर बाबा

नई दिल्ली। धर्मांतरण रैकेट चलाने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर नई जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि छांगुर बाबा धर्मांतरण के लिए दुबई से ट्रेनर बुलवाता था। इन ट्रेनर के जरिए लोगों का ब्रेनवॉश किया जाता और उन्हें इस्लाम के प्रति आकर्षित किया जाता। इतना ही नहीं बाबा हिंदू देवी-देवता विरोधी किताबें छापने की भी बड़े स्तर पर तैयारी कर रहा था, ताकि इनके जरिए हिंदू लोगों के मन में अपने धर्म के प्रति घृणा का भाव पैदा किया जा सके।

टैक्स और पेनल्टी के 400 करोड़ वसूलेगा आरटीओ

वाहन जब्त कर नीलाम करेगा, 20 हजार वाहनों से वसूलना है पैसा

गुड इवनिंग, इंदौर

आरटीओ को 20 हजार वाहनों से रोड टैक्स और पेनल्टी के 400 करोड़ रुपए वसूलना है। आरटीओ ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इसके निर्देश क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय ने दिए हैं। इसके बाद इंदौर आरटीओ ने पुराने बकायादारों की लिस्ट तैयार की है। जिससे पता चलता है कि 20 हजार वाहनों से टैक्स वसूला जाना है।

बता दें कि इंदौर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को इस वित्तीय वर्ष में 1150 करोड़ रुपए वसूलने का लक्ष्य मिला है। इंदौर आरटीओ पिछले दो साल से अपना लक्ष्य पूरा करने में पिछड़ रहा है। इसलिए पुराने बकायादारों की ओर रुख किया गया है।

बीते साल के बकायादारों से वसूली : इंदौर आरटीओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि सूची

में शामिल 20 हजार वाहनों में से ज्यादातर अब चलन में नहीं हैं। कई एनओसी लेकर दूसरे राज्य या शहरों में जा चुके हैं। कई वाहन स्क्रैप भी हो चुके हैं। इतने सारे वाहनों के डेटा में ऐसे वाहनों को अलग करने के लिए बहुत ज्यादा समय और स्टाफ की जरूरत है, जो इस वक्त हमारे पास नहीं है। पहले पिछले साल के बकायादारों से होगी वसूली, सभी बाबू ऐसे वाहनों के मालिकों को फोन कर रहे हैं। जो टैक्स जमा नहीं करेंगे, उनके वाहनों को जब्त करने के साथ ही नीलामी कर वसूली की जाएगी।

पुरान वाहनों का डेटा नहीं हो पाया अपडेट : इंदौर आरटीओ की लिस्ट में सैकड़ों 40 से 50 साल पुराने वाहन हैं। विभाग पहले वाहनों का डेटा रजिस्टरों में रखता था। 2002 में स्मार्ट चिप कंपनी ने ऑनलाइन डेटा तैयार करना शुरू किया। फिर भी पुराने कई वाहनों का डेटा अपडेट नहीं हो पाया। कई वाहनों का डेटा ही नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण पुराने वाहनों से वसूली में काफी परेशानी आ रही है। कई वाहनों के नंबर हैं, लेकिन उनके मालिकों की जानकारी नहीं मिली।

वसूली होना संभव भी नहीं : आरटीओ सूत्रों की मानें तो सूची में कई ऐसे वाहन हैं, जिन्होंने सालों से टैक्स और पेनल्टी की राशि ही जमा नहीं की है, जिसके कारण हर साल यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अधिकारियों की मानें तो इनमें कई ऐसे वाहन हैं, जो सालों पहले भंगार होकर खत्म हो चुके हैं। इसके बाद भी सिस्टम में इनका रिकार्ड खत्म नहीं किया गया है, जिसके कारण डेटा बढ़ता ही जा रहा है और इनसे वसूली होना संभव भी नहीं है। इसलिए अधिकारी पहले पिछले साल के बकाया पर फोकस कर रहे हैं। इसके बाद धीरे-धीरे पिछले सालों तक जाएंगे।

कॉलेज छात्रा को कुत्तों ने घेरा, गिराकर नोचा

झुंड में लौटे कुत्ते, पैर किया घायल, वीडियो आया सामने

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर में आवारा कुत्तों के हमले की घटनाएं लगातार हो रही हैं। तीन दिन पहले ही श्रीनगर एक्सटेंशन में सुबह कॉलेज जा रही एक छात्रा पर एक साथ चार कुत्तों ने हमला कर दिया। इस बीच उसकी सहेली ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक कुत्तों ने छात्रा को गिराकर उसके पैर को नोंच डाला और काटकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। छात्रा ने पहले तो हिम्मत दिखाते हुए संघर्ष किया और उन्हें भगा दिया, लेकिन कुछ ही देर में कुत्तों का झुंड दोबारा आ गया। घटना शनिवार की है, लेकिन इसका वीडियो व जानकारी अब सामने आई है।

छात्रा कॉलोनी से कॉलेज जा रही थी, तभी दूर से एक साथ चार कुत्ते उसकी ओर लपके। वह संभलती, उससे पहले ही वे उस पर टूट पड़े और उसे गिरा दिया। इस दौरान छात्रा ने संघर्ष किया, लेकिन कुत्तों ने उसके पैरों में काट लिया। आपाधापी के बीच कुत्ते बार-बार भागते और फिर उस पर लपकते रहे। इस दौरान आगे स्कूटी से जा रही उसकी सहेली रुकी, गाड़ी खड़ी की और छात्रा के पास पहुंचकर कुत्तों को भगाया। घायल छात्रा काफी घबरा गई थी और चक्कर आने पर वहीं बैठ गई। रहवासी दंपती विशाल और शैफाली अग्रवाल उसे अपने घर ले गए और उसके पैरों के जख्मों को साफ किया। उन्होंने बताया कि छात्रा सुबह एग्जाम देने जा रही थी, तभी कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया।

नौकरीपेशा लोगों के लिए राहत भरी खबर

अब 3 से 7 दिन के अंदर अकाउंट में आएगा पीएफ का पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी

ईपीएफओ ने पीएफ का पैसा निकालने की प्रक्रिया को अब और भी आसान बना दिया है। आप घर बैठे ही ऑनलाइन माध्यम से अपना पीएफ क्लेम कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी पूरी प्रक्रिया। अगर आपको अपने पीएफ खाते से पैसा निकालना है तो अब आपको दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। आप कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करके ऑनलाइन ही यह काम कर सकते हैं।

पोर्टल पर लॉगिन करें : सबसे पहले आपको ईपीएफओ के सदस्य पोर्टल पर अपने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) और पासवर्ड का इस्तेमाल करके लॉगिन करना होगा।

ऑनलाइन सर्विस टैब पर जाएं : लॉगिन करने के बाद ऊपर दिए गए ऑनलाइन सर्विसेस टैब पर क्लिक करें।

क्लेम विकल्प चुनें : ड्रॉपडाउन मेन्यू में से क्लैम का विकल्प चुनें। यह फॉर्म आपके पीएफ निकासी के उद्देश्य के हिसाब से काम करता है।

प्रोसेस फॉर ऑनलाइन क्लैम पर क्लिक करें : जानकारी सही होने पर फिर यहीं क्लिक करें।

निकासी का कारण और रकम बताएं : अब आपको बताना होगा कि आप किस कारण से पैसा निकालना चाहते हैं। जैसे अगर आप फॉर्म-31 भर रहे हैं तो बीमारी, मकान खरीदना, शादी या शिक्षा जैसे विकल्प मिलेंगे। अपना कारण चुनने के बाद आपको यह भी दर्ज करना होगा कि आप कितनी रकम निकालना चाहते हैं।

करोड़ों खर्च : कान्ह नदी कब साफ होगी?

फोटो : गुड इवनिंग

पंचकुइया क्षेत्र में कचरा वहीं छोड़ दिया जाता है

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर स्वच्छता में लगातार अव्वल बना हुआ है, शहर में साफ-सफाई के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस साफ सफाई के कार्य में यदि थोड़ा और ध्यान दिया जाए तो काफी हद तक सफाई में सुधार आ सकता है। इसमें खास ध्यान नदी-नालों की सफाई के दौरान देने की जरूरत है। शहरवासियों को अकसर यह देखने में आता है कि नगर निगम के द्वारा जब ड्रैनेज चैम्बर की सफाई की जाती है तब कर्मचारी चैम्बर में से निकले कचरे को चैम्बर के पास ही पटककर रवाना हो जाते है। सफाई के बाद काफी दिन उक्त कचरा और मिट्टी वहीं पड़ी रहती है।

कृष्णपुरा छतरी, हरसिद्धि : कान्ह नदी से निकाली गई गाद व कचरा कई बार नदी के पास ही पटक दिया जाता है। उक्त कचरा हवा और पानी से वापस नदी में पहुंच जाता है। पंचकुइया राम मंदिर के पास नदी की ऐसी ही स्थिति है। यहां कई बार नदी की सफाई की जा चुकी है, लेकिन वर्तमान में फिर नदी में गंदगी फैली हुई दिखती है। यहां कचरा भी आसपास ही पटक दिया जाता है, जो बारिश में नदी में पहुंच जाता है। गौरतलब है कि कृष्णपुरा छतरी, हरसिद्धि और जवाहर मार्ग की और कान्ह नदी की सफाई के दौरान भी कई बार ऐसी ही स्थिति को देखा गया है, नदी से जो गाद निकाली गई थी, उसे नदी के एक और पटक दिया गया था हालाकि बाद में उसे उठवाया भी गया था।

रखरखाव में पीछे है नगर निगम : शहर में नगर निगम के द्वारा कई तरह के विकास कार्य किए गए हैं और लगातार करवाए भी जा रहे हैं, लेकिन निगम रखरखाव के मामले में हमेशा पीछे ही नजर आता है। यहीं कारण है कि शहर की विभिन्न कॉलोनियों में विकसित किए गए कई गार्डन वर्तमान में काफी खराब हालत में है। इसी तरह कई जगह की छोटी-छोटी टूटफुट को भी ठीक नहीं करवाया जाता है। इससे लाखों रुपए बर्बाद होते हुए नजर आते है।

चीनी मेडिकल टेक्नोलॉजी कंपनी ने विकसित किया डिजाइन

अब सूई भी लगाएगा रोबोट, ब्लड सैंपल भी लेगा

बिजिंग, एजेंसी

अब तक अस्पतालों में खून की जांच कराने के लिए मरीजों को नर्सों और लैब टेक्निशियनों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन चीन ने अब इस काम में भी इंसानों को मशीन से बदलना शुरू कर दिया है। चीन के हांगझोउ शहर के एक अस्पताल में ऐसा ही एक अनोखा ब्लड ड्रॉइंग रोबोट लगाया गया है, जो मरीज की नस को ढूंढकर सूई लगाता है और खून खींचता है वो भी बिना गलती के।

इस रोबोट को एक चीनी मेडिकल टेक्नोलॉजी कंपनी ने डिजाइन और विकसित किया है। कंपनी का दावा है कि यह रोबोट खून निकालने में पारंपरिक नर्सों और टेक्निशियनों से कहीं ज्यादा सटीक है। यह नस को ढूंढने के लिए एडवांस्ड सेंसर, हाई-रेजोल्यूशन इमेजिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल करता है।

पहली बार में सटीक हिट : मैजिकनर्स

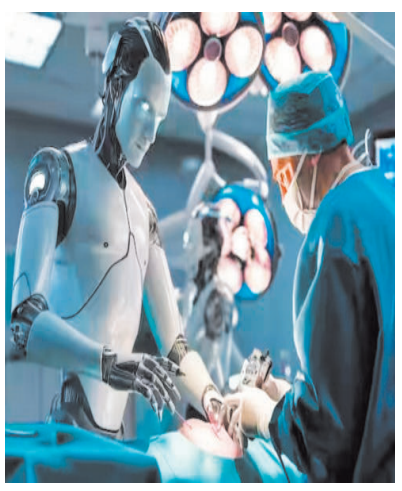

कंपनी के मुताबिक, यह रोबोट मरीज की नस को पहली बार में ही 94.3 प्रश मामलों में सही पकड़ लेता है। यानी यह मशीन नस को स्कैन करती है, वेन की सही पोजीशन तय करती है और फिर सूई को बिलकुल सही जगह पर पिनपॉइंट कर देती है। मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि इंसानी हाथों से नस चूकने की संभावना इससे कहीं ज्यादा होती है, खासकर बुजुर्ग, बच्चे या मोटापे से ग्रस्त मरीजों में।

कोई सवाल नहीं : यह रोबोट मरीज से कोई सवाल नहीं करता डर तो नहीं लग रहा, कैसा लग रहा है जैसी बातें भी नहीं। मरीज बस मशीन के सामने हाथ रखता है और रोबोट अपने सेंसर से नस ढूंढकर खून निकाल लेता है। पूरी प्रक्रिया ऑटोमैटिक और हाईजेनिक मानी जा रही है। चीन में हेल्थकेयर सिस्टम पर बढ़ते बोझ को देखते हुए ऐसे रोबोटिक सिस्टम अस्पतालों में स्टाफ की कमी को कम कर सकते हैं। साथ ही नस चूकने से होने वाली दर्दनाक गलतियों को भी रोका जा सकता है। माना जा रहा है कि भविष्य में यह तकनीक बड़े अस्पतालों से लेकर छोटे क्लिनिक तक पहुंच सकती है।

क्या है भविष्य का हेल्थकेयर?

टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स इसे हेल्थकेयर 3000 कह रहे हैं यानी आने वाले वक्त में इंसानी हेल्थकेयर में रोबोटिक सिस्टम और एआई का दखल और बढ़ेगा। जहां एक तरफ यह सुविधाजनक होगा, वहीं दूसरी तरफ इससे मेडिकल स्टाफ की नौकरी पर खतरा भी बढ़ सकता है। भारत समेत दुनिया के कई देशों में इस तरह के रोबोटिक सिस्टम फिलहाल सीमित हैं। लेकिन चीन की यह पहल बताती है कि आने वाले समय में भारत में भी ई-हॉस्पिटल और एआई बेस्ड मशीनों से टेस्टिंग और ट्रीटमेंट आम बात हो सकती है।

शिवालयों में शाम तक चलता रहा जलाभिषेक का दौर

इंदौर। श्रावण के पहले सोमवार को स्कीम नं. 78 स्थित पीपलेश्वर महादेव पर अल सुबह से भक्त पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। यहां जलाभिषेक और पूजन का सिलसिला शाम तक चलता रहा।

श्रावण मास के पहले सोमवार को पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम में द्वादश ज्योतिर्लिंग श्री विश्वेश्वर महादेव का दिव्य शृंगार दर्शन हुआ। भक्तों ने भक्ति भाव से जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और भोलेनाथ के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना दिया।

श्री मंडल रामायण मंडल कावड़ यात्रा का आयोजन

गूंजे बोल बम के नारे

ढोल नगाड़े के साथ निकली मनमोहक झांकियां

गुड इवनिंग, इंदौर

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को लगातार 17 वर्षों से श्री मंडल रामायण मंडल कावड़ यात्रा का आयोजन यात्रा संयोजक व भाजयुमो जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित हो रही है। श्री ठाकुर ने बताया कि कावड़ यात्रा सात पवित्र नदियों के उद्गम स्थल जानापाव के अमृत कुंड से जल भरकर कावड़ का मंत्रोच्चार के साथ पुजन किया गया व हर हर महादेव बोल बम के जयकारों के साथ देश कि समृद्धि व सम्पन्नता, समरसता की कामना के साथ यात्रा प्रारंभ हुई।

कावड़ यात्रा में मुख्य रूप से केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार, विधायक गोलू शुक्ला, डॉ राजेश सोनकर, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह जी चावड़ा, डॉ निशांत खरे, पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, घनश्याम नारोलिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन, संत समाज व हजारों कांवड़िए जानापाव की पहाड़ियों को गुंजायमान करते चल रहे थे। यात्रा मार्ग पर स्थानीय नागरिकों द्वारा कावड़ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। जगह जगह पर कांवड़ियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। यात्रा का रात्री विश्राम अंनत कोल्ड स्टोरेज में किया गया, जहा भव्य भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायकों ने सुमधुर भजनो पर कांवड़ियों ने बोल बम के नाम की धुनी रमाते हुए नृत्य किया। यही भोजन भंडारे में समरसता भाव के साथ सभी ने प्रसादी ग्रहण की।आयोजन में बढ़-चढ़ कर समाज जन शामिल हुए

डोंगरगांव अनाज मंडी पर पहुंच कर खिचडी प्रसाद वितरण हुआ। यात्रा ने भव्य चल समारोह के रूप में महू नगर में ढोल-नगाड़े, बग्गी, डिजे मनमोहक झांकियों व हजारों कावड़ यात्रियों के बोल बम उद्घोष के साथ प्रवेश किया।

यात्रा ड्रीमलैंड चौराहे से कनाड़िया रोड, फूल चौक होते हुए हरि फाटक पर पहुंची। महू में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व राजनैतिक संस्थाओं द्वारा यात्रा संयोजक मनोजसिंह ठाकुर का साफा पगड़ी पहनाकर व यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। हरि फाटक से यात्रा ने पिगडम्बर की और प्रस्थान किया व बालाजी मंदिर पिगडम्बर पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया आरती पुजन कर प्रसाद वितरण किया गया।

इंदौर के सुभाष चौक स्थित श्री रामभक्त हनुमान मंदिर में प्रथम सावन सोमवार के अवसर पर भक्तों की श्रद्धा देखते ही बनी। अशोक वाटिका में आयोजित इस विशेष आयोजन में हनुमानजी का वीर स्वरूप में भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर प्रांगण भक्तों से खचाखच भरा रहा, जहां शाम 5 बजे से पूजा-अर्चना, भजन और आरती का आयोजन हुआ। भक्तों ने हनुमानजी के दर्शन कर मनोकामनाएं मांगी और वातावरण ह्लजय श्रीरामह्व के जयघोष से गूंज उठा। इस पावन अवसर पर भक्तों ने दीप जलाकर मंगलकामनाएं कीं और श्रावण मास की शुरूआत को श्रद्धा और उत्साह से मनाया।

श्रावण की आस्था का अनोखा दृश्य

फोटो: नितिन सोलंकी

इंदौर। उज्जैन में श्रावण मास के पहले सोमवार को निकली भगवान शिव की सवारी में भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिला। इंदौर के राजवाड़ा से गुजरते हुए कांवड़ियों का कारवां जब पहुंचा, तो एक अनोखा दृश्य नजर आया– एक श्रद्धालु अपने कंधे पर फूलों से सजी भगवान शिव की प्रतिमा को विराजित कर लाया था। चारों ओर हर-हर महादेव के जयघोष गूंज रहे थे और शिवभक्तों की भीड़ माहौल को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रही थी। यह झांकी श्रावण की परंपरा और भक्ति की गहराई को जीवंत करती है।

मांगों को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ ने सौंपा ज्ञापन

इंदौर। मध्यप्रदेश आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ ने महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता, अनुभव आधारित नियुक्ति, निजी स्कूलों के समान समय निर्धारण, कार्यकताओं की समस्याओं पर संवेदनशीलता सहित कुल छह बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही कहा गया कि विभागीय लापरवाही और असमान निर्णयों के कारण

महिला कार्यकताओं का मनोबल टूट रहा है। संगठन ने चेताया कि मांगे जल्द नहीं मानी गईं तो आंदोलन किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों को निशुल्क कापियां बांटी

इंदौर। गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए खान बहादुर ट्रस्ट आगे आया है। मप्र वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल के निर्देश पर बच्चों की सहायता के उद्देश्य से खान बहादुर ट्रस्ट के अध्यक्ष मोईद पठान द्वारा अनुभूति विजन आश्रम पर दिव्यांग बच्चों को निशुल्क कापियां व एजुकेशन किट दी गई। इस मौके पर जिला वक्फ कमेटी के अध्यक्ष रेहान शेख, खजराना दरगाह कमेटी के अध्यक्ष डॉ. रिजवान पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता व संस्था सोच के अध्यक्ष महफूज पठान आदि मौजूद रहे।

बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही दिशा निर्देश दें- प्रो. गर्ग

गुड इवनिंग, इंदौर

श्री अग्रसेन विद्यालय की प्रबंध समिति द्वारा शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए एक मोटिवेशनल प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत होलकर साइंस कॉलेज के भूतपूर्व प्राचार्य प्रोफेसर शंकरलाल गर्ग को आमंत्रित किया गया। प्रोफेसर गर्ग ने शिक्षक- शिक्षिकाओं को अपने शैक्षणिक अनुभव से लाभान्वित करने के साथ अनौपचारिक संवाद स्थापित करते हुए अलग-अलग उदाहरणों के माध्यम से सभी का मार्गदर्शन किया।

आपने इस बात पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बच्चों की प्रतिभा को पहचान कर उनको सही दिशा निर्देश दिए जाएं तो यही बच्चे जीवन में सफलता के सोपानों पर चढ़ते हुए महान कार्य कर सकते हैं। शिक्षकों को चाहिए कि कक्षा में मनोरंजक गतिविधियां करवाते हुए आनंदपूर्ण वातावरण में शिक्षण कार्य करें। सभी को अपने सीमित दायरे से बाहर निकाल कर हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयत्न करना चाहिए। चुनौतियों को स्वीकार करें। आज रोटी, कपड़ा, मकान के साथ शिक्षा और पर्यावरण भी मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी अपना परिचय एवं अभी तक की उपलब्धियां बताते हुए प्रोफेसर गर्ग द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रसनिधि कुमार गुप्ता, मंत्री महेश सांघी, प्रेम दयाल गुप्ता एवं अन्य सम्माननीय सदस्य उपस्थित थे। प्राचार्या श्रीमती मीनल सोले ने अतिथि सत्कार करते हुए उन्हें विद्यालय की गतिविधियों से अवगत कराया। संचालन श्रीमती रत्नम पुरोहित ने किया।

100 करोड़ रुपए खर्च कर बनेगी 8 पानी की टंकियां

सांवेर क्षेत्र के पांच वार्डों के घरों में नलों से पहुंचेगा पीने का पानी

गुड इवनिंग, इंदौर

सांवेर क्षेत्र में स्थित इंदौर शहर के 5 वार्डों में 100 करोड रुपए की लागत से 8 पेयजल टंकियां बनाई जाएगी। यह जानकारी जल संसाधन मंत्री द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में दी गई।

बैठक में बताया गया कि पेयजल व्यवस्था के लिए अमृत 02 योजना से वार्ड क्रमांक 18, 19, 35, 36 एवं 76 में पेयजल की टंकियों का निर्माण किया जाएगा। बैठक में इंदौर नगर निगम की पेयजल समिति के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा एवं कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि यह टंकियां रेवती, कुमेडी, शक्करखेडी, मायाखेडी, अरण्डिया, तलावली चांदा क्षेत्र में बनेगी। जिसका निर्माण नगर निगम इन्दौर द्वारा होगा। कनाडिया और भंवरासला क्षेत्र में बनने वाली पेयजल टंकियों का निर्माण इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। पूरे क्षेत्र में पाईप लाईन के माध्यम से प्रत्येक घर को पेयजल सुविधा मिलेगी। आगामी माहों में इन टंकियों का शिलान्यास किया जाएगा। इन टंकियों का निर्माण हो जाने से लाखों लोगों को पेयजल सुविधा मिलेगी।

वार्ड 76 में 2 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को सांवेर क्षेत्र के नगरीय सीमा के वार्ड नंबर 76 में 2 करोड रुपए से अधिक राशि के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि टिगरियाराव कनाडिया में गार्डन सर्वसुविधायुक्त होगा जिसमें बच्चों के लिए झूले, चकरी, कुर्सी के अलावा पेवर ब्लाक और जल गंगा संवर्धन योजनान्तर्गत वॉटर रिचार्ज साफ्ट से पानी के फव्वारे के साथ ही पाथ-वे और बाउण्ड्रीवाल का निर्माण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आदर्श वार्ड है, जिसमें अभी तक 50 करोड रुपए से अधिक की लागत से सीसी रोड, नाली, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाईट, हाई मास्क लाईट, मुक्तिधाम, आंगनवाडी, गार्डन के साथ ही कनकावती नदी पर त्यौहार-तीज पर स्नान के लिए घाट बनाया गया है।

वृद्धवस्था में होने वाले रोगों के बारे में दी गई जानकारी, योग के लिए किया प्रेरित

बुजुर्गों की सेहत जांचने आयुष विभाग ने लगाए शिविर

गुड इवनिंग, इंदौर

आयुष विभाग ने सोमवार को बुजुर्ग और उपशामक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं थीम पर आधारित विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया। यह शिविर शासकीय आयुर्वेद औषधालय के 14 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लगाए गए।

शिविर का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना था। शिविर में 574 वरिष्ठ नागरिकों ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श का लाभ उठाया। वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों का दर्द, श्वास संबंधी रोग, मनोभ्रंश और अल्जाइमर रोग प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, सुनने और समझने की क्षमता में कमी, गिरने का खतरा, अवसाद, अकेलापन, असंयम और कब्ज जैसी समस्याएं भी उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इन समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, धूम्रपान से परहेज, नियमित शारीरिक परीक्षण, जांच और टीकाकरण की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने रैंप के उपयोग, हल्के-फुल्के खेल खेलने और संगोष्ठी में भाग लेने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होने की बात कही। डॉ. बारिया ने यह भी बताया कि समय पर दवाएं लेना, नियमित योग, प्राणायाम और आसन करने से अवसाद और मनोरोग में सहायता मिलती है। स्वस्थ जीवनशैली के विकल्प, नियमित जांच, सामाजिक सहयोग और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच जीवन को सुरक्षा प्रदान करती हैं। आज के स्वास्थ्य शिविरों में, थीम के अनुसार बुजुर्ग ग्रामीणों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तशर्करा, हीमोग्लोबिन और ब्लड प्रेशर आदि की जांच शामिल थी। शिविरों में निशुल्क औषधियां भी दी गईं। वृद्धवस्था में होने वाले रोगों के बारे में विभिन्न जानकारी दी गई, और वरिष्ठ नागरिकों को योग करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें योग के माध्यम से मानसिक तनाव में मिलने वाले लाभों के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा, बुजुर्गों की देखभाल के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर भी चर्चा की गई और घरवालों को इस विषय में जानकारी दी गई। वर्षा ऋतु में होने वाले रोगों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में भी प्रतिभागियों को बताया गया।

हैकाथॉन में आईटी, एआई क्षेत्र के विशेषज्ञ, तकनीकी विद्यार्थी कर सकेंगे भागीदारी

गुड इवनिंग, इंदौर

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने एक और स्मार्ट पहल की है। इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा आयोजित इंदौर स्मार्ट सिटी हैकाथॉन 2025 का शुभारंभ किया जा रहा है।

यह आयोजन इंदौर को नवाचार हब बनाने की दिशा में एक अच्छा कदम है, जो युवाओं को तकनीकी समाधान प्रस्तुत करने का मौका देगा और प्रशासनिक तंत्र को और अधिक स्मार्ट एवं उत्तरदायी बनाएगा। इस नवाचार आधारित प्रतियोगिता का उद्देश्य उभरती तकनीकों के माध्यम से शहरी सेवाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाना है। इस राष्ट्रस्तरीय हैकाथॉन में देशभर से छात्रों, स्टार्टअप्स, तकनीकी विशेषज्ञों और डेवलपर्स को आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागियों को तीन प्रमुख शहरी चुनौतियां जनसुनवाई शिकायत निवारण, भूमि अतिक्रमण की निगरानी और साइबर क्राइम जांच पर व्यावहारिक तकनीकी समाधान प्रस्तुत करेंगे। हैकाथॉन-2025 में भाग लेने के लिए अंतिम तिथि 20 जुलाई तय की गई है। हैकाथॉन-2025 के तहत जनसुनवाई शिकायत निवारण प्रणाली में अंक आधारित शिकायत वर्गीकरण, ट्रैकिंग, विभागीय डैशबोर्ड, बहुभाषी संवाद और फीडबैक एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी व दक्ष बनाया जाएगा। भूमि अतिक्रमण निगरानी के लिए मैपिंग, ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट इमेजरी, रियल टाइम अलर्ट सिस्टम और भूमि अभिलेखों के एकीकरण जैसे समाधान विकसित किए जाएंगे। इस हैकाथॉन में आईटी और एआई क्षेत्र के विशेषज्ञ, नवाचारकर्ता और तकनीकी विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शासकीय कामकाज में तकनीकी नवाचार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से अवैध निर्माण को रोकने, सतत निगरानी, जनसुनवाई प्रणाली को प्रभावी बनाने और साइबर फ्रॉड की रोकथाम जैसे विषयों पर व्यावहारिक सुझाव और समाधान आमंत्रित किए जाएंगे। प्रतियोगिता में चयनित विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में 4 लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार 2 लाख रुपए और तृतीय पुरस्कार एक लाख रुपए की राशि दी जाएगी।

प्रतियोगिता में विजेताओं को मिलेंगे लाखों रुपए के पुरस्कार

ट्रेन का आरक्षण चार्ट तैयार करने के समय में किया बदलाव

यात्रियों को होगी सुविधा

इंदौर। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी नए निर्देश के अनुसार पश्चिम रेलवे रतलाम के लिए आरक्षण चार्ट तैयार करने की समय सारणी 14 जुलाई से लागू कर दी गई है । इस पहल का उद्देश्य प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और यात्री सुविधा को बढ़ाना है। रतलाम मंडल द्वारा जारी किए गए आदेश अनुसार प्रथम आरक्षण चार्ट तैयार करने के संबंध में रेलवे बोर्ड से मिले निर्देश अनुसार सुबह 5:01 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट एक दिन पहले रात 9 बजे तक तैयार किया जाएगा। इसी तरह दोपहर 2.01 बजे से शाम 4 बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट उसी दिन सुबह 7:30 बजे तक तैयार किया जाएगा। शाम 4:01 बजे से 11.59 बजे तक और 00.00 बजे से सुबह 5 बजे तक प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा। दूसरे आरक्षण चार्ट की तैयारी के संबंध में मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं होगा, जो अंतिम समय की बुकिंग को समायोजित करने के लिए दिए गए निदेर्शों के अनुसार तैयार किया जाता रहेगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध है कि वह यात्रा से पहले अपनी आरक्षण स्थिति की जांच करते समय चार्टिंग शेड्यूल को ध्यान में रखें।

बदलने लगी डीपी की हालत, कंपनी ने लगाए नए बॉक्स

इंदौर। बिजली कंपनी शहर में ट्रांसफार्मरों के पास सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने एवं ट्रांसफार्मरों के बॉक्स नए लगाने के लिए अभियान चला रही है।

कंपनी ने एक माह के दौरान इंदौर शहर में दौ सौ से ज्यादा स्थानों पर ट्रांसफार्मरों के बॉक्स बदलकर नए लगा दिए हैं, ताकि करंट जैसी स्थिति से बचा जा सके। शहर अधीक्षण अभियंता डीके गाठे ने बताया कि मध्य संभाग और उत्तर संभाग प्रत्येक में 90 ट्रांसफार्मरों पर बॉक्स बदलकर नए लगा दिए गए हैं। इन संभागों में सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र और धार रोड, सिरपुर, बांक, चंदन नगर आदि क्षेत्र आते हैं। दक्षिण संभाग में 22 , पश्चिम संभाग क्षेत्र में 14 और पूर्व संभाग क्षेत्र में 12 ट्रांसफार्मरों के बॉक्स नए लगा दिए गए हैं। शहर अधीक्षण यंत्री श्री गाठे ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर किया जा रहा यह कार्य सतत जारी रहेगा। श्री गाठे ने वषार्काल के दौरान बिजली लाइन, ट्रांसफार्मर, पोल, तार से पर्याप्त दूरी बनाए रखने एवं किसी भी मदद के लिए जोन के नंबर या 1912 पर संपर्क करने का आह्वान किया है।

इस माह 50 लाख पेज का डेटा हो जाएगा ऑनलाइन

अगले माह से ऑनलाइन काम करेगा विकास प्राधिकरण

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विकास प्राधिकरण को आधुनिक बनाने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। प्राधिकरण द्वारा सभी योजनाओं के साथ संपदाओं, कर्मचारी-अधिकारी एवं अन्य डेटा ऑनलाइन किया जा रहा है। पिछले माह जून में काम शुरू हो गया और इस माह के अंत तक एजेंसी द्वारा काम पूरा कर लिया जाएगा।

इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में कदम बढाते हुए कार्यालय के विभिन्न दस्तावेजों को ऑनलाइन करने का काम शुरू कर दिया गया है। अगले एक वर्ष में प्राधिकरण के सभी विभागों के लगभग 50 लाख पेज के दस्तावेज ऑनलाइन हो जाएंगे और पूरा कार्यालय डिजिटल हो जाएगा। दस्तावेज ऑनलाइन करने का काम निजी एजेंसी को दिया है। संभागायुक्त एवं आईडीए अध्यक्ष दीपकसिंह के निर्देश पर विकास प्राधिकरण के स्थापना, संपदा, विधि, विद्युत, योजना एवं तकनीकी आदि शाखाओं के दस्तावेज ऑनलाइन किए जा रहे हैं। आईडीए सीईओ आरपी अहिरवार ने बताया कि प्राधिकरण कार्यालय में लगभग 85 हजार फाइलें है और प्रत्येक फाईल के 60 से 70 पृष्ट की नस्ती है, इस तरह लगभग 50 लाख पेज का डेटा ऑनलाइन किया जाएगा। बताया जाता है कि फाईलों के स्टोरेज के लिए 2 टीबी क्षमता की 10 से अधिक हार्डडिस्क का प्रयोग किया जाएगा। आईडीए सीईओ के अनुसार सभी शाखाओं के दस्तावेजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी साथ ही फाईलें खोने, फाईल ढूढने में लगने वाले समय और दस्तावेज नष्ट होने जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इससे अधिकारियों-कमर्चारियों से जुडी जानकारी, योजनाओं के दस्तावेज, लीज धारकों तथा संपदाओं की जानकारी एवं नक्शे आदि ऑनलाइन मिल सकेंगे। ज्ञात रहे कि भू-अभिलेख के साथ जिला पंजीयन द्वारा भी संपत्तियों के पंजीयन ऑनलाइन किए जा चुके हैं।

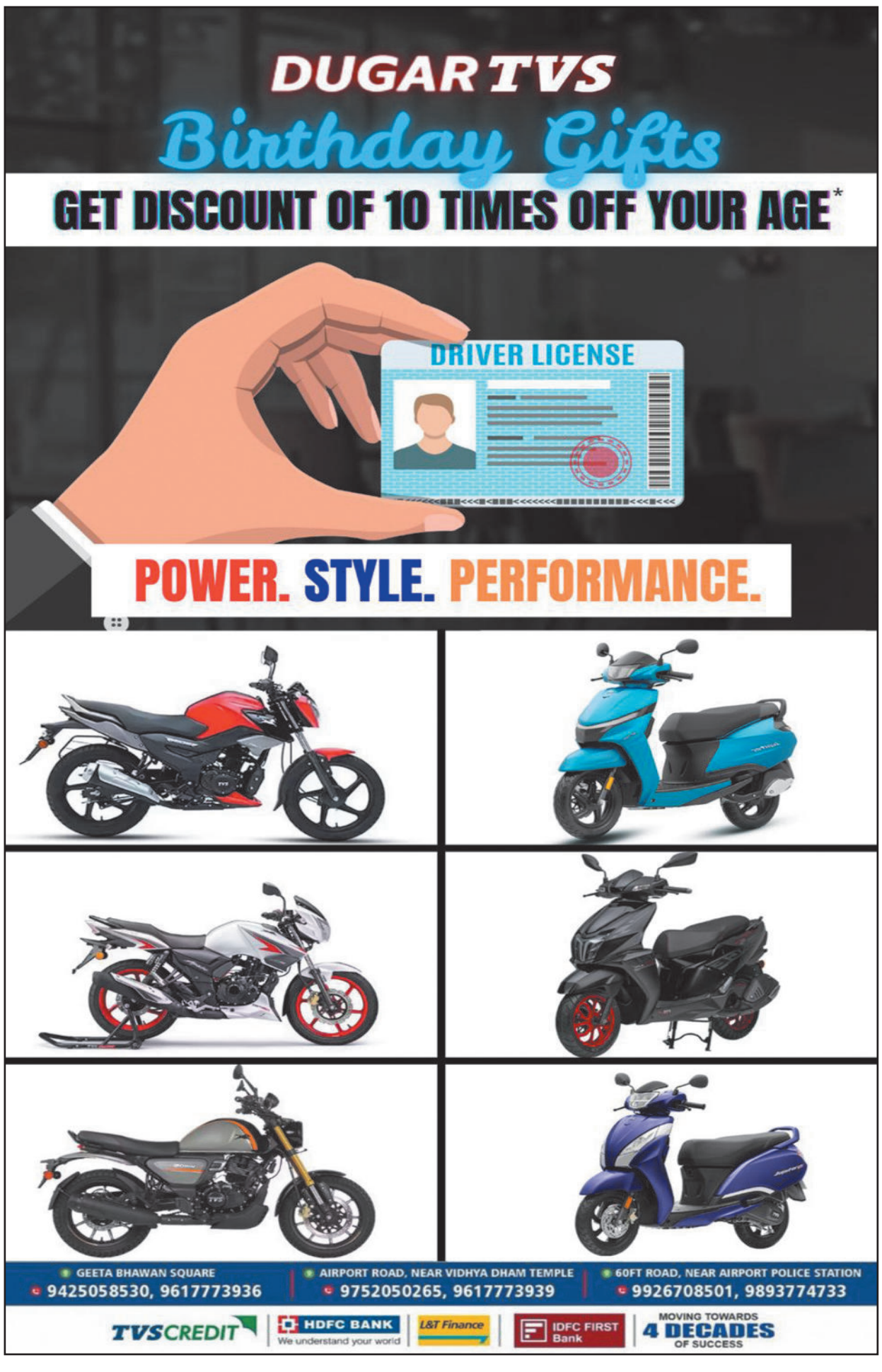

सावन का पहला सोमवारः भोपाल के भोजपुर शिव मंदिर में आस्था का सैलाब

गुड इवनिंग, भोपाल

आज सावन के पहले सोमवार पर हर-हर महादेव के जयकारों से राजधानी भोपाल गुंज रही हैं। शहर के मंदिरों में पूजा अर्चना करने भक्त पहुंच रहे हैं। भोपाल से 30 किलोमीटर दूर भोजपुर मंदिर में भक्तों की सुबह से ही भीड़ देखी जा रही है। भोजपुर में विराजमान महादेव की एक अलग ही प्रसिद्धी है कहा जाता है पांडवों द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। वही मंदिर को लेकर एक कथा यह भी है कि एक ही रात्रि में इस मंदिर का निर्माण किया गया था।

सावन के महीने में भोजपुर में भगवान महादेव के दर्शन करने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। काफी संख्या में भीड़ यहां भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आती है तो वही आज सावन के पहले सोमवार को भोजपुर में काफी संख्या में भक्तों का आना-जाना रहा सुबह 4 बजे से ही भक्तों का भोजपुर आना-जाना शुरू हो गया तो वहीं बम-बम के नारों से भोजपुर का शिवालय गूंज उठा लोग बेलपत्र और शिव पूजा में लगने वाली अनेकों प्रकार की सामग्री लेकर भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने भोजपुर पहुंच रहे हैं और भगवान भोलेनाथ से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की अर्जी लगा रहे हैं।

सावन के सोमवार की पूजन विधि

प्रातः काल स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें। घर पर ही शिवलिंग स्थापित कर सकते हैं, या नजदीकी शिव मंदिर जाएं। शिवलिंग का अभिषेक जल, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से करें। शिवलिंग पर बेलपत्र, आक-धतूरा, सफेद फूल अर्पित करें। कम से कम 108 बार ह्रूं नमः शिवायह्व मंत्र का जाप करें। व्रतधारी दिनभर फलाहार कर सकते हैं और शाम को शिव आरती करें। सायंकाल भगवान के मंत्रों का फिर जाप करें, तथा उनकी आरती करें। अगले दिन पहले अन्न वस्त्र का दान करें तब जाकर व्रत का पारायण करें।

सावन सोमवार पूजा का धार्मिक महत्व

भगवान शिव की पूजा खासतौर से सोमवार को की जाती है। मान्यता है कि वैवाहिक जीवन के लिए शिव जी की पूजा सोमवार को करने से परेशानियां दूर होती हैं। कुंवारी कन्याएं इस व्रत को विशेष श्रद्धा से करती हैं ताकि उन्हें मनचाहा वर प्राप्त हो। यह व्रत नकारात्मक ऊर्जा, रोग और दरिद्रता को दूर करने में सहायक माना जाता है।इसके अलावा स्वास्थ्य, संतान और आर्थिक समस्याएं भी दूर होती हैं। सावन के सोमवार को शिव जी की पूजा सर्वोत्तम होती है. इसमें मुख्य रूप से शिव लिंग की पूजा होती है और उस पर जल तथा बेल पत्र अर्पित किया जाता है।

बाढ़ के हालात : एमपी में अब तक 18 इंच पानी गिरा; आज 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

मप्र में जुलाई में ही डैम ओवरफ्लो

गुड इवनिंग, भोपाल

मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर, मंडला, श्योपुर, सिवनी, उमरिया, छतरपुर समेत कई जिलों में एक सप्ताह से लगातार बारिश हो रही है। इस कारण इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सोमवार को श्योपुर के कई इलाके और गांव पानी से घिरे रहे। मकान-दुकानों से लेकर अस्पताल तक में पानी भर गया। वहीं, नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर रही। मंगलवार को भी 17 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

प्रदेश में 16 जून से मानसून एंटर हुआ था। तभी से तेज बारिश का दौर चल रहा है। इस वजह से कोटे की आधी यानी औसत 18 इंच बारिश हो चुकी है। निवाड़ी में तो 103 प्रश तक पानी गिर चुका है। मंडला, टीकमगढ़ में भी बारिश का कोटा 75 प्रश तक फुल हो गया है। अगले 4 दिन यानी 18 जुलाई तक तेज बारिश का दौर चलेगा।

शिवपुरी में अटल सागर डैम के 6 गेट खोले, श्योपुर में बाढ़ सोमवार को मंडला में 9 घंटे में 2 इंच बारिश हो गई। वहीं, खरगोन में डेढ़ इंच पानी गिरा। टीकमगढ़-उमरिया में आधा इंच बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, दतिया, गुना, ग्वालियर, इंदौर, रतलाम, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, जबलपुर, खजुराहो, सागर, सिवनी, सीधी, बालाघाट, सीहोर, शाजापुर, आगर-मालवा, देवास, राजगढ़, विदिशा समेत कई जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहा।

शिवपुरी जिले में अटल सागर मड़ीखेड़ा बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। इसी के चलते सोमवार सुबह साढ़े 6 बजे बांध के 6 गेट खोल दिए गए। करीब 1500 क्यूमेक पानी छोड़ा गया है। श्योपुर जिले के विजयपुर में क्वारी नदी का जलस्तर बढ़ने से आगरा जाने वाला रास्ता बंद हो गया। वहीं, बड़ौदा में बाढ़ जैसे हालात रहे। यहां दुकानों-मकानों के अलावा अस्पताल में भी पानी भर गया। शिवपुरी जिले के रन्नौद क्षेत्र में भी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यहां कई लोगों के घरों में पानी भर गया। टीकमगढ़ में मकान गिर गया। इससे 3 भैंसों की मौत हो गई। मंडला में आधे घंटे की तेज बारिश से पानी घर-दुकानों में घुस गया। रायसेन में उफनते नालों के बीच मड रैली हुई। जिसमें गाड़ियां दौड़ाई गई। भोपाल में दोपहर में तेज बारिश का दौर चला।

इस वजह से ऐसा मौसम

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि एमपी से एक मानसून ट्रफ गुजर रही है। वहीं, लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) भी एक्टिव है। इस वजह से बारिश का दौर चल रहा है। अगले 4 दिन तक तेज बारिश होने की संभावना है।

हमीदिया अस्पताल में एमआरआई सीटी स्कैन का सफल ट्रायल

गुड इवनिंग, भोपाल

हमीदिया अस्पताल में नई सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों का सोमवार को ट्रायल किया गया है। इस मौके पर जीएमसी (गांधी मेडिकल कॉलेज) डीन डॉ. कविता एन सिंह, हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रबंधन के अनुसार, इन मशीनों के पूरी तरह से शुरू होने के बाद मरीजों को मॉडर्न जांच सुविधाएं अस्पताल परिसर में ही मिलेंगी। हालांकि, मरीजों के लिए यह सुविधा कब से शुरू होगी, इसकी तारीख अभी तय नहीं हुई है।

18 करोड़ रुपए से लगी एमआरआई-हमीदिया अस्पताल ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए भवन ब्लॉक-1 में 6 करोड़ रुपए की सीटी स्कैन और 18 करोड़ रुपए की एमआरआई मशीनें स्थापित की हैं। इन्हें इमरजेंसी विभाग के ठीक पीछे लगाया गया है, ताकि गंभीर मरीजों की जाँच तुरंत की जा सके। हाल ही में शासन से मंजूरी मिलने के बाद इन मशीनों के संचालन के लिए टेक्नीशियनों की नियुक्ति भी हो गई है।

नए नियमों के तहत लगी मशीनें

यह पहल नेशनल मेडिकल काउंसिल के नए नियमों के तहत की गई है, जिसके अनुसार सभी मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक जांच सुविधाएं अस्पताल के अपने संचालन में होनी चाहिए। इससे पहले, हमीदिया अस्पताल में ये जांचें आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से की जा रही थीं। इन नई मशीनों के आने से हमीदिया अस्पताल की नैदानिक क्षमता बढ़ेगी और मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली जांच सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी।

फर्जी नाम-पते पर महिला को भर्ती कराने वाला युवक पकड़ाया

गुड इवनिंग, ग्वालियर

शहर के मुरार स्थित जिला अस्पताल में रविवार सुबह एक महिला को गंभीर हालत में ऑटो से लाया गया था। तीन युवकों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया और फिर अचानक गायब हो गए। इलाज के दौरान दो घंटे के भीतर महिला की मौत हो गई। भर्ती के समय युवकों ने जो नाम, पता और मोबाइल नंबर दिया था, वह सब फर्जी निकले।

अब इस मामले में पुलिस ने जिला अस्पताल में लगे उळळश कैमरे के फुटेज से जांच की तो ऑटो नंबर से पुलिस उस युवक तक पहुंच गई जो महिला को भर्ती कराकर भाग गया था। युवक मालनपुर भिंड का रहने वाला है, जबकि मृतका बिहार राज्य की रहने वाली है।

तीन साल पहले वह उसे स्टेशन पर मिली थी। जिसे तीन साल से वह पत्नी बनाकर मालनपुर में किराए के घर में रह रहा था। रविवार सुबह किसी जहरीले कीड़े ने महिला को काटा था। इसके बाद मकान मालिक व ऑटो चालक की मदद से उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। महिला का कोई पहचान पत्र नहीं था इसलिए वह डर गया और छोड़कर भाग गया।

तीन साल से पत्नी बनकर रह रही थी मृतका-चेतन ने बताया कि महिला का नाम सोनी (30) था और वह मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी। तीन साल पहले वह ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर उससे मिली थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती हो गई और वह बिना शादी किए पति-पत्नी की तरह रहने लगे।

दोनों मालनपुर में किराए के मकान में रह रहे थे। चेतन के अनुसार, रविवार तड़के करीब 4 बजे सोनी को किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसने मकान मालिक और एक ऑटो चालक की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया।

महिला के पास नहीं था कोई पहचान पत्र-चेतन ने बताया कि महिला के पास कोई पहचान पत्र नहीं था और वह डर गया था कि कहीं पुलिस कार्रवाई न कर दे। इसी डर से उसने फर्जी पता और मोबाइल नंबर अस्पताल में दर्ज कराया और इलाज के दौरान वहां से भाग गया।

फुटेज से मिला सुराग-फुटेज में दिखा कि तीन युवक महिला को लेकर ऑटो से अस्पताल पहुंचे। एक युवक ने महिला को गोद में उठाकर वार्ड तक पहुंचाया और फिर तीनों अस्पताल से बाहर निकलकर फरार हो गए। इसके बाद डॉक्टरों ने जब रजिस्टर में दर्ज मोबाइल नंबर पर संपर्क किया, तो वह बंद मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और उळळश के आधार पर ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर से युवक तक पहुंच गई।

युवक से पूछताछ जारी-मुरार थाना पुलिस के अनुसार, श्महिला को अस्पताल छोड़कर भागने वाला युवक पकड़ लिया गया है।

माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय में प्रशासनिक पुनर्गठन

तीन विभागाध्यक्षों को मिले नए प्रभार; डॉ. पी शशिकला बनी कुलसचिव

गुड इवनिंग, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में कार्य दक्षता और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रशासनिक पुनर्गठन किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 11 जुलाई 2025 को तीन विभागाध्यक्षों को नए प्रभार सौंपने का आदेश जारी किया। इन बदलावों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी और समन्वित बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

नए दायित्वों की जानकारी-0 नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पी. शशिकला को कुलसचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अभी तक वे डीन (अकादमिक) का पद संभाल रहीं थी। नया दायित्व विश्वविद्यालय के प्रशासनिक संचालन में एक महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है।

- कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मनीष महोश्वरी अब तक डीन (छात्र कल्याण) थे। अब उन्हें नया पद डीन (अकादमिक) का दिया गया है।
- मीडिया प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अविनाश वाजपेयी कुलसचिव रहे। अब उन्हें डीन (छात्र कल्याण) का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है।

इसे छात्रहित में बड़ी जीत बताया

एनएसयूआई विश्वविद्यालय प्रभारी तनय शर्मा ने इस फेरबदल को छात्रहित में बड़ी जीत बताया है। उनका कहना है कि डॉ. वाजपेयी पर कई प्रशासनिक और शैक्षणिक अनियमितताओं के आरोप थे, जिनके खिलाफ संगठन लगातार आवाज उठा रहा था। शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी कुलगुरु को पत्र लिखकर इस मामले में चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि यह कदम विश्वविद्यालय में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में अहम है।

14 दिन का अंतिम अल्टीमेटम भी बीता, फिर भी कई क्षेत्रों में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स

शहरवासी अंधेरे में चलने को मजबूर

गुड इवनिंग, ग्वालियर

लोगों के टैक्स से 43.07 करोड़ रुपए खर्च कर एलईडी लाइट के प्रोजेक्ट के बाद भी शहरवासी रातों में अंधेरे में चलने को मजबूर हैं। नगर निगम के हाथों से छीनकर स्ट्रीट लाइट का संचालन ग्वालियर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन का कर रहा है, लेकिन व्यवस्था नहीं सुधर पा रही है। ढाई साल से दिल्ली की एचपीएल कंपनी 23.82 करोड़ रुपए में ओएंडएम की जिम्मेदारी ले हुई है।

अभी-भी अनुबंध की शर्तों के अनुसार 100% काम नहीं कर पाई। स्मार्ट सिटी के अधीक्षण यंत्री सुबोध खरे 17 महीने में 3 बार कॉनेक्ट एग्रीमेंट को निरस्त करने का पत्र लिख चुके है। इसके बाद भी कंपनी को निरंतर मौका दिया जा रहा है। निगम के शहरी 60 वार्डों मे 62 हजार से ज्यादा एलईडी लाइट लगी हैं। स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कमांड सेंटर में बने डेस बोर्ड में सोमवार को 41,346 एलईडी की जानकारी डिस्प्ले हो रही है। शेष की जानकारी कंपनी नहीं दे पाई है। इसके बाद भी कंपनी को अंतिम अवसर 10 जुलाई तक का था, वह भी निकल गया, लेकिन न तो स्ट्रीट लाइट सुधरी और न ही कंपनी का एग्रीमेंट निरस्त हुआ।

रॉक्सी पुल से हुजरात कोतवाली रोड: इस रोड की भी स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हुई है। इसके आगे की रोड हुजरात चौराहे से ऊंट पुल रोड पर एक तरफ की लाइट जल रही है और एक तरफ की स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हुई है।

चेतकपुरी कॉलोनी : यहां कॉलोनी के एक हिस्से की लाइटें बंद होने से रहने वालों को परेशानी होती है। इस रोड पर सबसे ज्यादा गड्ढे हैं, जिससे लोगों को ज्यादा परेशानी होती है।

मांढरे की माता से कस्तूरबा चौराहा : यहां पर 20 स्ट्रीट लाइट के पोल हैं। सभी पोल पर लगी एलईडी बंद पड़ी हुई है। यहां लोगों को अंधेरे से ही गुजरना पड़ रहा है।

बेटी बचाओ तिराहे से सिंधी कॉलोनी : इस रोड पर अंधेरा ही पड़ा रहता है। यहां से निकलने वालों को रात के वक्त बारिश के गड्ढों के साथ कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

नाका चंद्रवदनी-झांसी रोड : यहां स्ट्रीट लाइट बस स्टैंड से आगे तक बंद हैं। यात्रियों को अंधेरे में ही बसों में बैठना पड़ रहा है। एक तरफ की रोड खुदी है और दूसरी तरफ गड्ढे हैं।

नेहरू पार्क कंपू: आसपास के लोग रोज शाम के वक्त पार्क में घूमने आते है। रात होते ही नेहरू पार्क की रोड पर अंधेरा छा जाते है। ऐसे में महिला और बुजुर्गों को काफी दिक्कत होती है।

कब-कब दिए गए अनुबंध खत्म करने के नोटिस

ग्वालियर स्मार्ट सिटी ने सबसे पहला नोटिस फरवरी 2024 में दिया था। उसके बाद मार्च 2024 में अनुबंध खत्म करने का नोटिस दिया गया। अंतिम नोटिस 26 जून 2025 को देकर 14 दिन का वक्त दिया गया। जबकि पूर्व में स्मार्ट सिटी ने कार पार्किंग, बस सेवा और पब्लिक बाइक शेयरिंग का संचालन करने वाली कंपनियों को एक बार नोटिस के बाद ही टर्मिनेशन कर दिया था। लेकिन एचपीएल कंपनी पर मेहरबानी दिखाई।

बड़े-बड़े गड्ढे दे रहे दुर्घटना को न्योता

कुक्षी मार्ग के रिसावला में खतरे की सड़क

आने-जाने वालों के लिए सड़क बनी परेशानी, हिचकोले खाकर निकल रहे वाहन

विशाल बाबा नामदेव

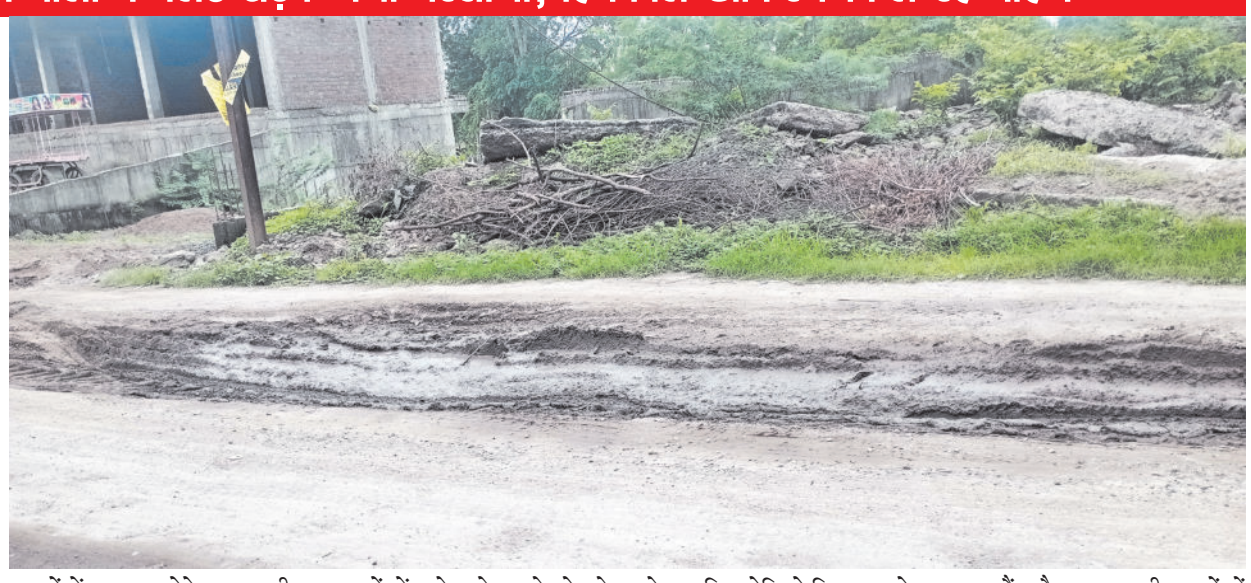

गुड इवनिंग, बाग। बाग से कुक्षी की ओर जाने वाली सड़क की हालत बहुत खस्ताहाल हो गई है। सड़क के बीचोबीच हुए बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आने-जाने वालों को बहुत परेशानी ओर दुर्घटना का भय बना रहता है।

बाग के समीप ग्राम रिसावला में जो जामन्यापूरा पंचायत में आता है जहां की सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गये और रोड की साईडें भी गड्ढो में तब्दील हो गयी वाहन बडी मुस्किल से निकल पा रहे है। साथ ही पैदल चलकर जाने वालो के लिए भी यह गड्ढे मुसीबत बने हुऐ है। बारिश का मोसम चल रहा हे फिलहाल तो हल्की बारिश ही हुई है और सड़क की हालत इतनी खस्ता हो गई है अगर बड़ा पानी आ गया तो सड़क की हालत और ज्यादा खराब हो जाएगी। एसे में दुर्घटना का भी खतरा मंडराता रहता है। इस खतरे की सड़क से गुजरकर जाने वाले वाहनों को दुर्घटना का भय रहता है तो वही वाहनों में नुकसान होने का भय भी बना रहता है।

रोड कम्पनी का इस ओर ध्यान नहीं

जोबट कुक्षी बाग बायपास टाण्डा रोड अन्य स्थानों की सड़कों की हालत बहुत खराब हो गई है सड़कों में बड़े बड़े गड्ढे हो रहे आवागमन करने वाले इन सड़कों के गड्ढों से परेशान हो रहे है साथ ही उन्हें वाहनों में नाकसानी के साथ दुर्घटना होने का भी भय बना रहता है। मगर सड़क बनाने वाली कम्पनी के जिम्मेदारों का इस ओर ध्यान नहीं है। अभी तो बारिश कम हुई और सड़को कि यह हालत हे अगर तेज बारिश होगि तो फिर क्या होगा समय रहतै जिम्मेदारो को सड़क के गड्ढो को भरना चाहिए।

ये बोले जिम्मेदार...

जामन्यापुरा पंचायत के गाव रिसावला के देवि मंदिर के पीछे वाली सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और साइड भी गड्ढों में तब्दील हो गई है। ऐसे में वाहनों को निकलने में बड़ी परेशानी का सामना करना पडता है साथ हि दुर्घटनाओ का भय बना रहता रोड़ कम्पनी को इस ओर ध्यान देकर गड्ढो कि रिपेयरिंग करना चाहिए।

अर्जुन चौहान, सरपंच
प्रतिनिधि जामन्यापुरा

निपानिया बैजनाथ के शासकीय स्कूल में चोरी की वारदात

गुड इवनिंग, आगर-मालवा

एकीकृत शासकीय माध्यमिक विघालय निपानिया बैजनाथ में चोरी की घटना लगातार सामने आ रही है। स्कूल के प्रधानाध्यापक ने थाना कोतवाली में इसकी सूचना दी। बताया कि 13 जुलाई की रात में अज्ञात चोरो के द्वारा अतिरिक्त कक्ष का ताला तो?ा गया। कमरे में से चोरो को कुछ भी हाथ नही लगा। बताया कि पूर्व में करीब 15 दिवस पूर्व 29 जून को भी अज्ञात चोरो द्वारा ताले तो?कर एक 65 इचं की एंड्राईड टीवी चुरा कर ले गए थे। जिसकी सूचना भी थाना कोतवाली पर दी थी। सरपंच गजेन्द्रसिंह राठौ? ने बताया कि विगत एक वर्ष पूर्व भी मध्यांह भोजन कक्ष में खाघ सामग्री की चोरी की घटना हुई थी। लेकिन इन चोरियो का पता आज दिनांक तक नही लगा।

छोटे इलेक्ट्रिक कांटों की जगह बड़े प्लेट कांटे लगाएं, तुलाई के दिन ही बिल बनाएं

गुड इवनिंग, खातेगांव

मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान ने सोमवार को खातेगांव-कन्नौद क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने मूंग उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया और किसानों से उनकी समस्याएं जानीं।

चौहान ने कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल के साथ खातेगांव एसडीएम प्रवीण प्रजापति से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने कई सुझाव दिए। इनमें छोटे इलेक्ट्रिक कांटों की जगह बड़े प्लेट कांटे लगाने की मांग शामिल थी। खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाने और हर केंद्र पर प्रभारी नियुक्त करने की मांग भी रखी गई। कांग्रेस ने तुलाई के दिन ही बिल बनाने का सुझाव दिया। वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पुलिस बल की तैनाती की मांग की। यूरिया और डीएपी की उपलब्धता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। नीमखेड़ा के आंदोलनरत किसानों की समस्या को देखते हुए उनके पास एक नया खरीदी केंद्र खोलने की मांग की गई। इससे किसानों को दूर नहीं जाना पड़ेगा। एसडीएम प्रजापति ने किसानों के हित में खरीदी केंद्रों की खामियों को दूर करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में गौतम बंटू गुर्जर, डॉ ओम पटेल, मनीष पटेल ,राजेश बिश्नोई, सुनील यादव चिमन बाता, नरेंद्र राजावत अजय गुर्जर लाला मेहराम धनबारे, मुकेश राजोरिया सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

जल कलश लेकर पहुंची महिलाएं, बाबा का किया आकर्षक श्रृंगार

बाबा बैजनाथ के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, कतार में किए दर्शन

गुड इवनिंग, आगर-मालवा

श्रावण मास के पहले सोमवार 14 जुलाई को नगर सहित अंचल के शिवालयों में श्रद्धालुओं की चहलकदमी रही। तडके से देर रात तक हजारो दर्शनार्थियों का तांता दिनभर लगा रहा। सोमवार को गणेश चतुर्थी भी रहने के कारण दुर्लभ संयोग के रूप में भक्तो ने दर्शन किए। दोपहर बाद बाबा का विशेष आकर्षक श्रृंगार किया। परिसर में खान पान व मनिहारी सामान की अस्थायी दुकाने बड़ी संख्या में लगी। जहां महिलाओं ने खूब खरीदी की। ग्रामीण महिलाऐं अपने गांव का जल लेकर सिर पर कलश रखकर बाबा को चढ़ाने पहुंची।

मंदिर के उत्तरी भाग में बनायी गई सर्कुलर पार्किंग में वाहन खड़े हुए। जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना नही करना पड़ा। साथ ही सोमवार को बड़ातालाब किनारे स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर कमलकुंडी, घाटी नीचे महाकाल मंदिर, विवेकानंद कॉलोनी स्थित सोमेश्वर व विश्वेशवर महादेव, शांति विहार, हाउसिंग बोर्ड, घुघरिया कॉलोनी, शकरकुईया स्थित भोलेनाथ आदि मंदिरो पर भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। पुलिस व प्रशासन की व्यवस्थाऐं चाक चौबंद रही।

सुसनेर में दिन भर चला शिवभक्ति और भजन कीर्तन का दौर

सुसनेर। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर नगर सहित क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरो में महादेव के दर्शन करने के लिए बडी संख्या में श्रृद्धालुओ की भीड उमडी। इस दौरान शिव मंदिरो को आकर्षक विद्युत रोशनी व पुष्प मालाओं से सजाया गया। अलसुबह से ही मंदिरों में दर्शन करने वाले भक्तो का तांता लगना शुरू हो गया। भौलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए शिवभक्तो द्वारा दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक सहीत पूजन व अनुष्ठान किए गए। नगर के डाक बंगला रोड पर सिंचाई विभाग स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव मदिर, कण्ठाल नदी के तट पर देवी अहिल्याबाई द्वारा निर्मित श्री नीलकण्ठेश्वर महादेव मंदिर, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, जयेश्वर महादेव मंदिर, सत्यनारायण गली में स्थित श्री मनकामनेश्वर महोदव मंदिर, स्टेट बैंक चौराहा स्थित राम जानकी मंदिर, समीपस्थ ग्राम ताखला में तारकेश्वर महादेव मंदिर, मोरूखेडी में स्थित शिव मंदिर में अलसुबह महारूद्राभिषेक किया गया तो वही देर शाम को महादेव का आकर्षक श्रृंगार किया गया। जितने मंदिर उतने ही अलग-अलग रूपो में भगवान ने भक्तो को दर्शन दिए जिसकी एक झकल पाने के लिए भक्त आतुर दिखाई दिये। वही शाम के समय इन मंदिरो में विभिन्न महिला मंडलो के द्वारा भी भजन कीर्तन कर पकवानो का भोग भी लगाया गया।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू

गुड इवनिंग, खातेगांव

खातेगांव जनपद के ग्राम पंचायत कांजीपुरा में कांजीपुरा से बिलोदा मार्ग पर खेर कोठड़ा नाम से एक मोहल्ला बना हुआ है जिसमें 80 परिवार निवासरत है एवं शासन की ओर सरकारी खेर कोठड़ा पर एक प्राथमिक स्कूल बना हुआ है जिसमें छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने आते हैं लेकिन बरसात होने के कारण बिलोदा मार्ग पूरी तरह खराब हो चुका है जिसके कारण ना तो बच्चे स्कूल जा पा रहे हैं ना ही वहां रहने वाले परिवार गांव तक आ पा रहे हैं । समस्याओं के निराकरण के लिए सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व जनपद सदस्य कांग्रेस नेता ग्रामीण एवं स्कूली बच्चों के साथ 14 जुलाई से कोठडा स्कूल के पास धरना प्रदर्शन शुरू किया गया हे। धरना जब तक चलेगा तब तक क्षेत्र के आला अधिकारी धरना स्थल पर जाकर ग्रामीणों की समस्या का निराकरण नहीं करेंगे।

हरियाली वाली जमीन को कर दिया बंजर

गुड इवनिंग, आगर-मालवा

जिले में सौर उर्जा और पवन उर्जा का काम व्यापक रूप से जारी है। जिसके लिए आवश्यक जमीन संबंधित क्षेत्र में किसानों से अनुबंध के आधार पर कंपनी अपने कब्जे में लेती है। जिस पर वह कार्य करती है। एग्रीमेंट के पास की भूमि का भी उपयोग कंपनी के ठेकेदारो के द्वारा कुछेक स्थानो पर कर लिया जाता है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर बड़ौद तहसील के बिनायगा बड़ौद मे सामने आया है। जिसमें जहां लहलहा रहे थे पेड़ वह भूमि बंजर हो गई। बताया जाता है कि यह भूमि गोचर की होकर शासकीय है। इस मामले को लेकर ग्रामीणो में रोष व्याप्त है। गांव के लोग सोमवार को इस बंजर हो चुकी भूमि पर एकत्रित हुए और प्रशासन स्तर पर कार्यवाही की रूपरेखा बनायी है।

पर्यावरण संरक्षक एवं गौ सेवक राधेश्याम परिहार बिनायगा ने प्रेस नोट में बताया कि ग्राम बिनायगा बड़ौद में सुजलान पवन चक्की ने ग्राम विनायगा बड़ौद में गांव जयसिंहपुरा के 2 किसानों से अपनी निजी भूमि का 14-14 बीघा जमीन का एग्रीमेन्ट कराया था उक्त जमीन की विनायगा कि शासकीय गोचर भूमि सीमा से लगी हुई है कंपनी के कुछ ठेकेदारों को पवन चक्की लगाने का ठेका दिया ठेकेदारों ने किसानों से साठगांठ करके एग्रीमेन्ट वाली जमीन पर मात्र दो बिघा जमीन पर ही खड्डे खोदे, व उसी जमीन की सीमा से गोचर भूमि सर्वे क्रमांक 08 व सर्वे क्रमांक 19 से लगी हुई करीब 30 बीघा जमीन जो कि पिछले 50 सालों से गांव वाले अपनी खून पसीने की मेहनत से चोकीदार रखकर हजारों पेड़े पौधे विकसीत किये थे जिससे हजारों मजदूरों की रोजी रोटी चलती थी। जिसमें सीताफल, करोदा, तेजूपता, जामुन, नीम के हजारों पेड़ पौधे की बली कंपनी के ठेकेदारों ने दे दी। करीब 20 बीघा गोचर कि भूमि पर खनिज विभाग व पंचायत कि बिना अनुमति के करीब 5000 हजार डम्पर से मुरम खोदकर दूसरे गांव में लग रही पवन चक्की में बेचने का आरोप लगाया है। जिससे शासन को लाखों रूपयों कि राजस्व हानि हुई है। 13 जुलाई को करीब 200 ग्रामीण काम रूकवाने गये तो कंपनी के ठेकेदारों ने बोला कि काम नही रूकेगा, आप से जो बने वह कर लो। बताया कि एक तरफ तो म.प्र. कि मोहन सरकार गौरक्षा के लिए अतिक्रमण हटवा रही व पर्यावरण बचाने के लिये पेड़ पौधे लगवा रही दूसरी तरफ कंपनी के ठेकेदार सेकड़ो एकड़ गौचर शासकीय भूमि हजारों फलदार पौधे बर्बाद कर रही है। कंपनी एग्रीमेन्ट की जमीन पर नाम मात्र का काम कर रही है कहीं न कहीं प्रशासन के प्रति गांव वालों को संदेह की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

नलखेड़ा में गुरुकुल स्कूल के बच्चों ने मनाई चंद्रयान 3 के प्रक्षेपण की वर्षगांठ

गुड इवनिंग, नलखेड़ा

बच्चों में अंतरिक्ष विज्ञान और रॉकेट्री के प्रति आकर्षण और रोचकता पैदा करने के लिए नगर में पांडिया कॉलोनी स्थित गुरुकुल कान्वेंट स्कूल में चंद्रयान 3 के प्रक्षेपण की वर्षगांठ मनाई। 2 वर्ष पूर्व भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो द्वारा चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई, 2023 किया गया था इसके साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुप पर सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बन गया था। हमारे देश के वैज्ञानिकों की इस सफलता से प्रेरणा लेने और चंद्रयान 3 के रॉकेट के प्रक्षेपण को प्रयोगात्मक रूप से समझने के लिए विद्यार्थियों द्वारा ग्लोबल इनोवेशन फाउंडेशन के समन्वयक शैलेंद्र कसेरा के मार्गदर्शन में चंद्रयान 3 के मॉडल वाटर रॉकेट का प्रक्षेपण करवाया गया। जिसमे बच्चों द्वारा वाटर बोतल से रॉकेट बनाए गए जिसके द्वारा बच्चों को मॉडल रॉकेटरी को निकटता से समझने का मौका मिला। पानी की बोतल से रॉकेट बनाकर इसका प्रक्षेपण करने से विज्ञान के सिद्धांतो को प्रयोगात्मक रूप से स्वयं परीक्षण करके बच्चों को मॉडल रॉकेटरी को निकटता से समझने का मौका मिला।

सरलता से सुशोभित शिव...

डॉ. रीना रवि मालपानी
कवयित्री एवं लेखिका

आदि अनंत अविनाशी शिव की महिमा तो सर्वथा विख्यात है। महादेव की संज्ञा से सुशोभित शिव के जीवन में कितनी सरलता है यह तो अवर्णनीय है। कुबेर को लक्ष्मी के खजांची बनाने वाले शिव साधारण वेषभूषा धारण करते है। कर्पूर की तरह गौर वर्ण शिव शरीर पर भस्म रमाते है। प्रायः यह देखा जाता है कि विवाह में दूल्हा स्वयं को अनेक आभूषणों से सुसज्जित करता है, परंतु शिव जैसे सदैव दृष्टिगोचर होते है वैसे ही वह विवाह में सबके समक्ष प्रत्यक्ष हुए।

सत्यम शिवम सुंदरम रूप शिव का कल्याण स्वरूप है। शिव का लिंग स्वरूप ब्रह्मांड का प्रतीक है। शिव को संहार का देवता कहा जाता है, परंतु जब कालकूट विष से पृथ्वी पर संकट आया तो उन्हीं महादेव ने विष को ग्रहण कर सभी को चिंता मुक्त किया। शिव ही तो है जिन्होने विष को ग्रहण कर एक और उपनाम नीलकंठ प्राप्त किया। यह वही शिव है जिन्होने श्री हरि विष्णु के कमल अर्पित करने पर उन्हें सुदर्शन चक्र प्रदान किया, जिसका प्रयोग श्री हरि नारायण सृष्टि के कुशल संचालन में करते है।

उमापति महेश्वर शिव सदैव योग एवं ध्यान मुद्रा में ही रहते है, क्योंकि ध्यान ही शांत चित्त एवं आनंद स्वरूप प्रदान करता है। शिव प्रत्येक स्वरूप में अपनी श्रेष्ठता से शोभायमान होते है चाहे वह योगी हो, सन्यासी हो या गृहस्थ। शिव तो ओढर दानी है, अर्थात अनोखे दाता। आशुतोष शिव को प्रसन्न करना भक्त के लिए सबसे सरल है। शिव की सरलता तो उनको अर्पित सामाग्री से ही सिद्ध होती है, जो भी सामग्री सरलता से उपलब्ध हो वही शिव को अर्पित कर दो और भोलेनाथ से मनोवांछित फल प्राप्त कर लो। राजा हो या रंक शिव के लिए तो सभी समान है, मात्र जलधारा अर्पित करने से शिव संतुष्ट हो जाते है। यत्र-तत्र उगने वाला धतूरा, आक शिव को समर्पित किया जाता है। शिव की सरलता तो अतुलनीय है। एक बिल्वपत्र अर्पित करने पर भक्त के तीन जन्मों के पाप हर लेते है। अनायास भी शिव नाम मुख से उच्चरित हो गया तो वही जीवन के लिए कल्याणकारी सिद्ध हो जाएगा। शिव के बारह ज्योर्तिलिंगों का स्मरण करने मात्र से सात जन्मों के पाप क्षय हो जाते है।

शिव की प्रतिमा या लिंग स्वरूप के अभाव में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर पूजन एवं अर्चन कर भी भक्त द्वारा मनोवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। इतनी सहजता तो अन्यत्र दुर्लभ है, इसलिए चन्द्रशेखर, उमापति अत्यंत वंदनीय है। भक्त ने शिव को जहां विराजमान किया और जो नाम प्रदान किया वह शिव सहर्ष स्वीकार कर लेते है। ज्योतिर्लिंग में भक्तों की तपस्या से उनकी

मनोकामना पूर्ति के लिए आशुतोष सदैव प्रत्यक्ष रूप में विराजमान हो गए। राम नाम की अमृत धारा का रसास्वादन करने वाले शिव रामेश्वर एवं गोपेश्वर महादेव के रूप में भी दर्शन देते है। शिव भक्त का कल्याण तो श्री हरि नारायण भी करते है। रावण की शिव भक्ति का ही परिणाम था कि प्रभु श्री राम के हाथों उसे मुक्ति प्राप्त हुई। श्री हरि विष्णु भी कहते है कि जो शिव की आराधना करता है वह नारायण की कृपा का भी भागी होता है क्योंकि हरि और हर एक दूसरे को आराध्य मानते है।

आशुतोष शिव शंकर भोलेनाथ गौरीपति प्रेम की भी उत्कृष्टता सिद्ध करते है। अंतयार्मी शिव सती के हठ को सहज स्वीकार करते है और शक्ति स्वरूपा मां भगवती को भी कठिन तपस्या से ही प्राप्त होते है। अर्धनारीश्वर स्वरूप में शिव-शक्ति की समानता को उजागर करते है। स्वर्ण भवन निर्माण के पश्चात भी अपने दानी स्वरूप के कारण कैलाश में निवास करते है। सरलता से जीवन को साध्य बनाने वाले शिव की तो महिमा ही न्यारी है। कंठ के भीतर भी विष और बाहर भी विष विद्यमान है, इसके बाद भी वे एकाग्र और ध्यानचित्त दिखाई देते है। ऐसे आनंद स्वरूप भगवान शिव ही हो सकते है। ऐसी गृहस्थी किसकी होगी जिसमें सभी विपरीत स्वभाव वाले पशु-पक्षी सर्प, मोर, चूहा, शेर, बैल यह सभी प्रेम पूर्वक रहते है।

शिव का अनुग्रह यदि जीवन में प्राप्त हो जाए तो जीवन में और कुछ प्राप्त करना शेष नहीं रह जाएगा। हम सदैव जीवन में इच्छाओं और कामनाओं की पूर्ति में लगे रहते है, परंतु उससे कहीं अधिक हम उस ईश्वरीय सत्ता से जुड़कर परम आनंद या अन्तर्मन की प्रसन्नता प्राप्त कर सकते है। शिव ने सब कुछ त्याग कर सरलता को आत्मसात किया। इच्छा मात्र से प्रकट करने वाले भगवान महादेव शिव शंकर त्याग की उत्कृष्टता को स्वीकार करते है।

तांडव नृत्य करने वाले नटराज सदैव शांत चित्त स्वरूप में प्रत्यक्ष होकर भक्तों के कल्याण एवं आनंद का मार्ग प्रशस्त करते है। सावन शिव का प्रिय माह है, जहां भक्ति का फल भी अनंत गुना हो जाता है, तो क्यों न इस सावन भोलेनाथ से जुड़कर उनके गुणों को आत्मसात कर हम भी जीवन को आनंद स्वरूप बनाएं।

खामोश रहें, मरने का समय आ गया है...

केहरसिंह ठाकुर
इंदौर

अब लड़ने का समय आ गया है
कुछ करने का समय आ गया है
अगर ऐसे ही खामोश रही तलवार तो
राजपूतों को करनेका समय आ गया है
कब तक चुप रहोगे देश के सरदारों
कब तक जुल्म सहोगे देश के सरदारों
अब तलवार उठाने का फिर समय आ गया है
कब तक खामोश रहेगी राजपूतों की तलवार
अब कुछ करने का समय आ गया है
लड़ने का समय आ गया है करने का समय आ गया है
उठ के जागो इस भारत के भी सपूतों
अब अपनी इज्जत बचाने का समय आ गया है
आपस में लड़ा लड़ा कर देश को बबार्दी पर ले जा रही है हुकूमत
इस हुकूमत को जड़ से मिटाने का समय आ गया है
कब तक खामोश रहेगी राजपूतों की तलवार
अब कुछ करने का समय आ गया है
लड़ने का समय आ गया है
कुछ कर दिखाने का समय आ गया है
जो ना दे सके राजपूत को इज्जत
उसे सरकार को हटाने का समय आ गया है
बर्बरता आपने देखी है सारे देश में
जुलम करती राजपूत पर
यह मतलबी सरकार अब इस सरकार को उखाड़ने का समय आ गया है
कब तक खामोश रहेगी राजपूतों की तलवार
अब कुछ करने का समय आ गया है
लड़ने का समय आ गया है
यूं ही खामोश रहे मरने का समय आ गया है।।

चांदनी की आंख भी नम हो गई..

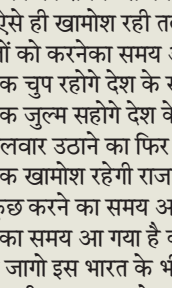

चन्द्रमणि चौबे चन्द्र रोहतास बिहार

आप के जाने से घबराए बहुत
खुद से खुद को यार समझाए बहुत।

चांदनी की आंख भी नम हो गयी
आपकी यादों ने बहलाए बहुत ।

रो पड़े गुलशन के यारों बागबां
दिल चमन के फूल मुरझाए बहुत।

ज़िन्दगी अपनी निशानी दे गयी
लोग मेरे यार सिखलाए बहुत।

सच बताना यार करते इश्क क्या
हो के चुपके से वो शरमाए बहुत।

रात की तन्हाइयां ये कह रही
याद मुझको आप भी आए बहुत ।

आप बिन अब सब अधूरा सा है 'चन्द्र'
ये जुदाई यार तड़पाए बहुत।

शांति से अपना कर्म करते चलें, परिणाम स्वयं शोर मचाएंगे....

नीना जैन
लाइफ कोच
न्यू जर्सी
अमेरिका

जब टाइटैनिक उत्तरी अटलांटिक के बर्फीले पानी में डूब रहा था – चारों ओर डर और अफरातफरी का माहौल था – तभी जहाज के नीचे के हिस्से से एक शांत और स्थिर चेहरा सामने आया:

जहाज का हेड बेकर, चार्ल्स जोगिन।

उसके पास कोई यूनिफॉर्म नहीं थी, न कोई अधिकार, न ही कोई सीटी जिससे भीड़ को नियंत्रित कर सके – उसके पास था तो बस दूसरों की परवाह करने की आजीवन आदत।

जब घबराए यात्री जीवनरक्षी नौकाओं की ओर भाग रहे थे,

चार्ल्स ने रोटियों के ढेर इकट्ठे किए और उन्हें डेक पर कांपती औरतों और बच्चों में बांटता गया।

उसने डर रहे लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, और जितनी नावें लोड कर सका, करता गया।

जब आखिरी लाइफबोट रवाना हो गई, तो उसने खुद उसमें जगह बनाने की कोशिश नहीं की –

बल्कि अपना मौका छोड़ दिया, और डूबते जहाज पर ही रह गया।

अपने केबिन में जाकर उसने एक बड़ा पैग व्हिस्की पिया और इंतजार किया।

रात 2:20 बजे, विशाल स्टील का जहाज सागर में समा गया।

चार्ल्स अब ठंडे, अंधेरे पानी में अकेला था फिर भी, दो घंटे से ज्यादा वक़्त तक वह जीवित तैरता रहा

जब तक बचाव नहीं आ गया।

बाद में उसने कहा कि उसे न डर याद है, न घबराहट –

और ठंड? वो तो जैसे एक धुंध सी थी।

ये व्हिस्की का असर नहीं था – क्योंकि शराब तो हाइपोथर्मिया को और तेज करती है।

जो उसे बचाए रखे थे, वो थे:

उसकी स्थिरता, उसका अडिग हौसला, वर्षों की शारीरिक सहनशक्ति, और हार न मानने की ज़िद।

उस रात उसने कोई भाषण नहीं दिया,
कोई शोहरत नहीं चाही।

उसने बस वही किया जो हमेशा करता आया था – दूसरों की चिंता।

क्योंकि सबसे अंधेरी घड़ियों में
हमें बचानेवाली आवाज जरूरी नहीं कि सबसे ऊंची हो –

कभी-कभी वो बस एक शांत हाथ होता है, जो अपना काम करता रहता है।

सच्चे हीरो हर बार चिल्लाते नहीं
कभी-कभी वो बस सबको तैरते रहने में मदद करते हैं।

ऐसे ही हमारी हिंद की सेना भी शांति से सरहद पर अपना कर्म करती है तभी हम प्रजा चैन की नींद सोते है। ये है असली नायक .... ठंडी गर्मी बरसात से परे अपने कर्मक्षेत्र पर मातृभूमि के लिए तैनात ... वो हर रोज बताते नहीं जताते नहीं कि दुश्मन की गोली किस तरह छलनी करती है साथियों को उनके सामने । फिर भी वे डटे रहते हैं खड़े रहते है अडिग हिमालय की तरह सीमा पर ताकि भेड़िए हम तक न पहुंचे । जयहिंद की सेना ।

आइए सीख लें ऐसे असली नायको से और शांति से अपना कर्म करते चले परिणाम स्वयं शोर मचाएंगे ।

कहते भी है कि कलदार ज्यादा आवाज करता है रुपए से । रुपया बने कलदार नहीं ।

अम्मा मेरे भैया को भेजो रे...

विजया डालमिया
हैदराबाद

दूर क्षितिज के आंगन में भी इंद्रधनुष की है रंगोली। बदली की ओट से देखो चांद कर रहा है अठखेली। रिमझिम फुहारों वाले सावन से प्यारा कोई मौसम नहीं। यह मौसम तन, मन और आंखों पर सीधा प्रभाव डालता है। दिल में साजन की चाह लिए आंखें प्रियतम के सपने देखने लगती है। इंतजार का सावन बेइंतहा बरसता है। हर तरफ प्रेम रस बिखरा दिखाई देने लगता है। गोरी का दिल बार -बार शीशे में अपनी छवि देखने को आतुर हो उठता है। सोलह सिंगार करने ,मेहंदी रचाने, झूला झूलने तथा वर्षा में भीगने की इच्छाएं लहरों की तरह मचलने लगती है। तभी तो सावन में लहरिए की धूम मच जाती है। फिर चाहे वह बंधेज लहरिया हो या पचरंगी लहरिया।

लहरिया पानी की लहरों की बनावट को खुद में समेटे होता है ।ऊपर- नीचे उठती हुई आड़ी-तिरछी लकीरों की छाप एक नया भाव व्यक्त करती है। सावन में लहरिया पहनने के पीछे का भाव बारिश और पानी के इस मस्ती भरे मौसम को उत्सव के रूप में मनाना है। हिंदू समाज में कुछ प्रिंट और रंगों को शुभ माना गया है। शगुन और संस्कृति के रंगों का प्रतीक है लहरिया। तीज-त्यौहार में गोल्डन वर्क के साथ सौभाग्य का प्रतीक लहरिया सिंजारा पर्व के दिन बेहद खास हो जाता है क्योंकि नवविवाहिता को ससुराल और पीहर पक्ष की ओर से यही पहनाया जाता है। जिसे पहनकर उसके मन की तरंगे खुशी से नाचने लगती है। चटक रंगों की तरह जिंदगी भी चमकीली हो जाती है।

झूलों की बहार लेकर सावन के साथ लहरिया और बारिश की बूंदों के साथ साजन का साथ भाने लगता है। लबों पे भूले बिसरे गीत आने लगते हैं। बीते दिनों की यादों से

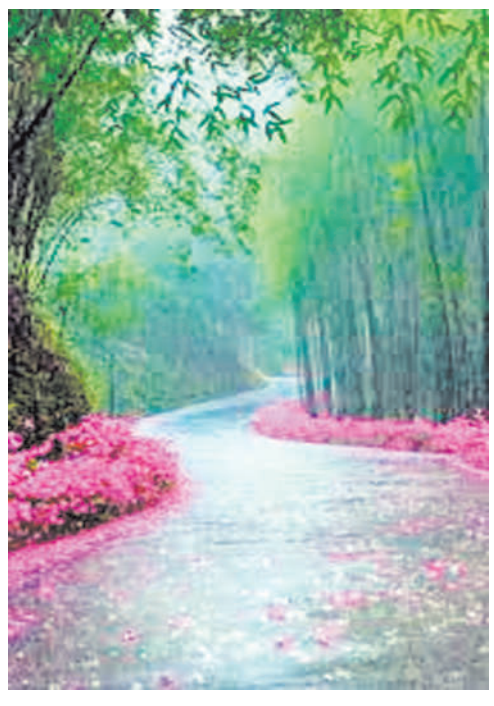

झांकता बचपन। भाई -बहनों के प्यार से हंसता बचपन। सांवले बादलों से भूली-बिसरी यादों का रिश्ता बेहद खूबसूरत और संवेदनशील होता है। विशेषकर उनकी यादों का जो कहीं दूर जा बसे हैं। यह कहीं तो प्यार का संदेश ले आते हैं और कहीं अश्रु बन परदेश में जा बरसते हैं। किसी को भी कुछ पता नहीं चल पाता है ।वह जब हमें बारिश में याद आ जाता है।

रिमझिम बूंदों के तारों से सजी धानी चुनरी ओढ़ कर सूर्य की तपन तथा पवन के गर्म थपेड़ों से बेचैन धरती की भी प्यास बुझ जाती है। हमारी संस्कृति ने हमेशा ऋतु परिवर्तन के साथ प्रकृति के सौंदर्य को सम्मान देते हुए उसे किसी ना किसी पर्व का स्वरूप प्रदान किया है। बहनों की अम्मा को लगाती गुहार से लेखनी को विश्राम देती हूं ..... अम्मा मेरे भैया को भेजो रे के सावन आयो...

धरा से गगन बस तुम्हीं दिखते सर्वेश्वर...

मैं केशर विलेपित, तू भभूत,
मैं राजकन्या, तू मेरा अवधूत,
हम दोनो का प्रेम है अद्भुत रूप,
तुम और मैं मिल बने शक्ति स्वरूप,

शोभित है विषधर है तेरे नीलकंठ,
मुंडमाल से भरा हुआ है कंठ,
कानों में स्वर्ण कुंडल सोहे,
मुख मंडल की चमक मन मेरा मोहे,

चंद्रमा को देने पुनर्जीवन,
किया तुमने मस्तक धारण,
जटाधारी केश भाल पे त्रिनेत्र,
बर्फ से ढका निवास छेत्र,

सौ जन्मों से तेरी राह तकी है,
नए रूप हर बार लौटी ये सती है,
जो समय तेरी प्रतीक्षा में बीता,
आज एक हो हमने प्रेम से सींचा,

क्या मोह करूं प्रिय महलों का,
क्या मोल रखूं स्वर्ण के गहनों का,
तुझ बिन मेरा यह संसार है फीका,
प्रेम प्रिय मैने तुझ से ही सीखा,

तुम ही आदि मेरे तुम ही अंत,
तुम बिन अधूरी हूं मैं भगवंत,
मेरे हृदय तुम्हीं विराजते परमेश्वर,
धरा से गगन बस तुम्हीं दिखते सर्वेश्वर।

संगीता झा 'संगीत'
(नई दिल्ली)

सारंगपुर के बस स्टैंड पर भरा रहता है बारिश का पानी, छींटे लगने से होता है विवाद

वाहन चालक गड्ढों में तलाश रहे सड़क, यात्री परेशान

गुड इवनिंग, सारंगपुर

स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रदेश सरकार के मुखिया बेहतर सड़कों का दावा सार्वजनिक मंचों से कर रहे हैं। हकीकत यह है कि नागरिकों को अब भी तलबनुमा गड्ढों वाली सड़कों से ही आवागमन करना पड़ रहा है। कई जगहों की सड़कों पर अफसर अपनी वाहवाही लूटने के लिए झूठी रिपोर्ट बनाकर भिजवा रहे हैं। खामियाजा नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों सारंगपुर के न्यू बस स्टैंड से लेकर अन्य शहरों तक जाने वाली सड़क की नगरीय क्षेत्र में हालत खस्ताहाल पडी हुई है। सड़कपर न केवल गड्ढे हो रहे हैं बल्कि तालाबनुमा होने से लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। बस स्टैंड पर सडक बुरी तरह टूट चुकी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। बरसात में पानी भर जाता है। पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। बाइक सवार और राहगीर रोज गिरकर घायल हो रहे हैं। यह सड़कमुख्य बस स्टैंड से होकर गुजरती है। रोज सैकडों वाहन इसी रास्ते से निकलते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशानी होती है। उनकी साइकिलें और बाइक गड्डों में फंसकर गिर जाती हैं। कई बार बच्चे चोटिल हो चुके हैं। आवाजाही में लोगों को हो रही दिक्कत, सडक ऊबड खाबड के कारण यातायात में भी परेशानियों का सामना करना पड रहा है, वाहनों की निरंतर आवाजाही के कारण आसपास दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो रही हैं, यदि इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया तो पानी से भरे गड्डों में कोई न कोई दुर्घटना जरूर ही हो सकती है। रात्रि में तो इस सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। सड़क टूटने से निकली गिट्टी टायरों के दबाव से गोली की तरह लग रही हैं। जिसके चलते लोगों को यहां से पैदल चलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस ऑपरेटों का कहना है कि सड़क नीची हो गई है। बरसात का पानी सड़क पर ही भर जाता है। अब हालत यह है कि बडे-बडे गड्ढे बन गए हैं। लोग रोज गिर रहे हैं। बस स्टैंड पर रेस्टोरेंट चलाने वाले अजय जोशी ने बताया कि 10 साल पहले नगर पालिका ने डामरीकरण कर गड्ढे भरवाए थे। लेकिन ठेकेदार ने खराब सामग्री लगाई। कुछ ही दिनों में सड़क फिर से टूट गई।

नहीं की जा रही मरम्मत, हो रही दुर्घटनाएं-पुराना बस स्टेंड पाडल्या रोड अंडर ब्रिज पर सड़क पर गड्ढे होने की वजह से दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार इन गड़डों से बचने के चक्कर में गड्ढे में तेज रफ्तार वाहन जाने की वजह से रोजाना यहां दुर्घटनाएं हो रही हैं। साथ ही विवाद की स्थिति भी बन रही हैं। बावजूद इसके सड़क के गड्डे नहीं भरे जा रहे हैं। न ही मरम्मत की जा रही हैं। सड़क पर गड्डों के साथ साथ बीच में से नाली नुमा लंबे गड्ढे हो जाने की वजह से वाहन बहककर पटरी बदल रहे हैं, जिससे भी दुर्घटनाएं हो रही हैं।

यात्रियों को करना पड़ रहा असुविधाओं का सामना

बस स्टेंड पर ऑटो स्टैंड वाले क्षेत्र में गंदगी से लोगों को परेशानी होती है। बारिश के कारण लोगों को पानी के बीच से होकर निकलना पड़ता है। कई जगहों पर कीचड़ फैल गई। बारिश के कारण सड़कों पर पहले से हुए गड्ढों का आकार और बढ़ गया। इससे हादसा होने का अंदेशा बना रहा। आगामी त्योहारी सीजन के दौरान आवागमन बढ़ने से यहां आने जाने वाले राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा बस स्टैंड के आसपास सड़कों तक एक बार फिर अतिक्रमण बढ़ने लगा है। जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

जल निकासी की व्यवस्था फेल

बस स्टैंड, अस्पताल रोड, पाडल्या रोड पर हलकी बारिश में ही यानी पानी भर जाता है। यहां कई स्थानों पर पानी भर जाने से हालत खराब हो जाते है। लोगों को पानी के बीच से होकर निकलना पड़ा। वहीं बस स्टेंड के उत्कृष्ट स्कूल ग्राउंड में कीचड़ फैलने से दुर्गंध उठ रही है। पाडल्या रोड, ओल्ड एबी रोड पर जहां लोडिंग वाहन खडे होते हैं वहां भी गड्ढे हो गए हैं। लोडिंग अनलोडिंग करते समय यहां अक्सर लोगों को सामान भी कीचड व गंदगी के कारण गंदा हो जाता है। इसको लेकर कई वाद-विवाद की नौबत आ जाती है। यहां व्यवसाय करने वाले दुकानदारों ने प्रशासन से पानी निकासी की उचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है। बस स्टैंड परिसर में भी जलभराव होने से महिलाएं व दूसरे यात्री परेशान होते हैं।

बोले जिम्मेदार

जिन सड़कों के टेंडर हो चुके है, वहां संबंधित ठेकेदार को शीघ्र निर्माण करने के निर्देश दिए है। जहां के टेंडर नहीं हुए है, वहां हम नपा के माध्यम से गड्ढे भरने की कार्रवाई करेंगे।

-ज्योति सुनहरे, सीएमओ, नगरपालिका, सारंगपुर।

बीएलओ का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, 50-50 के बैच में दी जा रही ट्रेनिंग

गुड इवनिंग, सारंगपुर

भारत निर्वाचन विभाग के निर्देशन में सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। सारंगपुर एसडीएम एवं निर्वाचन अधिकारी रोहित बम्हौरे के निर्देशन में सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्रों पर नियुक्त सभी बूथ लेवल अधिकारियों का संबंधित विधानसभा स्तर पर ही 50-50 के बैच में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय शासकीय स्वामी विवेकानंद कालेज में सोमवार को शुरू हुआ है। इसमें प्रथम औ द्वितीय दिवस में दो-दो बैच में 100-100 बीएलओ को प्रशिक्षण मिलेगा तथा तीसरे दिन एक बैच में 47 बीएलओ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस तरह तीन दिवस में 247 बीएलओ को प्रशिक्षण मिलेगा।

वोटर्स हेल्पलाइन एप्प द्वारा ऑनलाइन फार्म भरने की दी जानकारी-बीएलओ के प्रशिक्षण शिविर में मास्टर ट्रेनस बबीता मिश्रा द्वारा बूथ लेवल अधिकारियों को मतदाता सूची से संबंधित कानूनी प्रावधान, मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने तथा मतदाता सूची में विद्यमान प्रविष्टियों में संशोधन के लिए भरे जाने वाले आवेदनों को भरने की प्रक्रिया, भारत निर्वाचन आयोग के वोटर्स पोर्टल तथा वोटर्स हेल्पलाइन एप्प द्वारा ऑनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया के संबंध विस्तार से जानकारी दी गई।

बीएलओ के प्रशिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षण के दौरान ही बीएलओ के छोटे-छोटे समूह बनाये जाकर रोल-प्ले एवं केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। इस प्रशिक्षण में एसडीएम रोहित बम्हौरे, एजीएमई महेश राजपूत, मास्टर ट्रेनर बबीता मिश्रा, प्रो. डा. वसीम शैख, प्रीतम गुनावा और मोहम्मद तारिक अंसारी तथा निर्वाचन शाखा से आशीष कुंभकार और गोविंद शिवहरे आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम बोले: बूथ लेवल अधिकारियों की रहेगी महत्वपूर्ण भूमिका

चुनाव आयोग के निर्देश पर सोमवार से शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में शुरू हुए 3 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण के प्रथम दिन एसडीएम रोहित बम्हौरे ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए गए कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण शत प्रतिशत होना चाहिए। इसलिए सभी बीएलओ को कार्य को गंभीरता से करना है। इस पुनरीक्षण कार्यक्रम में बूथ लेवल अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग मप्र से दिशा निर्देश प्राप्त होने पर बूथ लेवल अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान की जाने वाली गतिविधियों के सम्बन्ध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

लीमा चौहान पुलिस ने पांच घंटे में नाबालिग को तलाशा

गुड इवनिंग, सारंगपुर

लीमा चौहान पुलिस ने अपहृत हुए नाबालिग बच्चें को घटना के पांच घंटे के भीतर दस्तयाब करने में बड़ी सफलता हासिल की है। मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी लीमाचौहान अनिल राहौरिया ने बताया कि 13 जुलाई को फरियादी द्वारा थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया था कि उसका नाबालिग बालक को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर कर भगा कर ले गया है जिस पर से थाना लीमा चौहान में अपराध क्रमांक 198/25 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। श्रीराहौरिया ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी द्वारा गुम एवं अपहृत नाबालिग बालक बालिकाओं को दस्तयाब करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में एसडीओपी अरविंद सिंह के मार्गदर्शन में हमारी टीम द्वारा तत्परता से त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराध पंजीबद्ध होने के साथ ही बालक की खोजबीन प्रारंभ की गई लगातार कडी मेहनत कर नाबालिग अपहृत बालाक को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लीमाचौहान उप निरीक्षक अनिल राहोरिया, प्रधान आरक्षक जितेंद्र भिलाला, पंकज चोखटिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ढाकनी में शासकीय भूमि तालाब में अवैध खनन की शिकायत

सारंगपुर। समीपस्थ ग्राम ढाकनी में शासकीय भूमि तालाब में अवैध मुरम खनन की शिकायत जनसुनवाई से लेकर स्थानीय स्तर के अधिकारियों के समक्ष की गई है। शिकायतकर्ता रंजीतसिंह निवासी खासपुरा ने शिकायत की कि ग्राम ढाकनी की शासकीय भूमि तालाब वाली पर खनन माफिया द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है, जो लगभग 06 माह से किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उक्त भूमि शासकीय होने के बावजूद भी खनन माफिया को किसी के द्वारा नहीं रोका जा रहा है तथा मुझ आवेदक के द्वारा खनन वाले स्थान पर जाकर मना किया गया कि, यह भूमि शासकीय है तथा तलाब की भूमि है इसमें खनन करने का अधिकार नही है तो खनन माफिया द्वारा लगभग 1000 ट्रेक्टर से अधिक मुर्रम खनन कर बैच दिया गया है। हमारी मांग है कि अधिकारी मौका मुआयना करें और खनन माफिया के विरूद्ध कार्रवाई की जाए।

अमरनाथ यात्रियों का फूलमाला पहनाकर किया स्वागत, यात्रा की मंगल कामना

गुड इवनिंग, सारंगपुर

नगर के भेरू दरवाजा वार्ड क्र. 10 के युवाओं की टोली सोमवार को अमरनाथ यात्रा के लिए गये। इस के पूर्व भेरू दरवाजा चौराहा पर सभी अमरनाथ यात्रियों धीरज पुष्पद, सतीश पुष्पद, अरुण पुष्पद, राजा पुष्पद, विनय पुष्पद, अंशुल पुष्पद आदि का फुलमाली समाज के युवा, मोर सिंह पुष्पद, कार्तिक पुष्पद, जीवन पुष्पद, जला फुलमाली समाज सगठन प्रवक्ता लोकेश पुष्पद, अजय पुष्पद, कालू पुष्पद आदि ने पुष्प माला पहना कर स्वागत किया। अमरनाथ यात्री, अमरनाथ यात्रा के साथ वैष्णो देवी कांगडा देवी हरिद्वार सहित 15 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रहेंगे। यात्री धीरज पुष्पद ने बताया शहर की खुशहाली की कामना करेंगे।

संपादकीय

ढांचों का रखरखाव उतना ही महत्वपूर्ण जितना उनका निर्माण

गुजरात पुल त्रासदी कोई अपवाद नहीं है। पिछले पांच वर्षों में 42 बड़े और छोटे पुल ढह चुके हैं, और 2021 से 2024 के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों पर 21 पुल गिरे है। गुजरात में गंभीरा पुल ढहने से होने वाली मौतें भारीभरकम बुनियादी ढांचा बनाने की भारत की योजना के लिए चेतावनी है। इसने दिखाया है कि कैसे देश में बुनियादी ढांचा हड़बड़ी में बनाया जाता है और गुणवत्ता पर नहीं के बराबर ध्यान दिया जाता है। बाद में उसका रखरखाव भी इतने घटिया तरीके से होता है कि वह सुरक्षा के लिए खतरा बन जाता है। यह पुल केवल 43 साल पहले बना था मगर 2022 में ही यह एकदम खस्ता हो गया था और वाहनों की आवाजाही के समय इसके खंभे हिलने लगते थे। पंचायत और जिला अधिकारियों ने पुल की हालत की जानकारी तीन साल पहले ही स्थानीय सड़क एवं पुल विभाग को दे दी थी। उसी साल सड़क-पुल विभाग की जांच रिपोर्ट में कहा भी गया कि पुल सुरक्षित नहीं है। मगर उस रिपोर्ट को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया। उसके बजाय थोड़ी-बहुत मरम्मत के बाद पुल दोबारा खोल दिया गया। परंतु यह त्रासदी अपवाद नहीं है। पिछले साल सरकार ने स्वीकार किया था कि उससे पहले के पांच साल में 42 छोटे और बड़े पुल ढहे हैं। सड़क और राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि 2021 से 2024 के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों पर 21 पुल ढहे, जिनमें से 15 पूरे हो चुके थे। यहां सबक मिलता है कि तेजी से बुनियादी ढांचा बनाना जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है पहले से मौजूद ढांचे का अच्छी तरह रखरखाव करना। ध्यान रहे कि पुल सही ढंग से बनाए जाएं और उनका रखरखाव ठीक से किया जाए तो वे 50 से 100 साल तक बने रहते हैं। 1937 में पूरा हुआ सैन फ्रैंसिस्को गोल्डन गेट ब्रिज और 19वीं सदी के अंत में बना लंदन का टावर ब्रिज इसके उदाहरण हैं। दोनों में बाद में सुधार किए गए हैं और दोनों पर ही रोज गंभीरा पुल से ज्यादा यातायात गुजरता है। पिछले कुछ साल में केंद्र और राज्य सरकारों ने आर्थिक वृद्धि के प्रमुख वाहक के रूप में बड़े पैमाने पर जो सार्वजनिक निर्माण कराया है, खराब तरीके से बनाए और संभाले जा रहे पुल उसका केवल एक पहलू हैं। केंद्र सरकार की 2025-26 में सड़क एवं राजमार्ग, बंदरगाह, हवाई अड्डे, रेल और आवास समेत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर लगभग 11.2 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है। इस खर्च में निजी ठेकेदार और इंजीनियरिंग कंपनियां बडे पैमाने पर शामिल हैं क्योंकि निर्माण वे ही करती हैं। इसलिए उनके काम की गहन निगरानी करना और उनकी समुचित जवाबदेही तय करना जरूरी है। दिल्ली के प्रगति मैदान अंडरपास को ही देखिए, जो 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के लिए बनाया गया था। 700 करोड़ रुपये से भी ज्यादा खर्च कर बनाए गए इस पुल को कुछ महीनों में ही भारी बारिश के बाद पानी भरने के कारण बंद कर दिया गया। डिजाइन और इंजीनियरिंग की खामियों के कारण उसके बाद से ही इसे खतरनाक घोषित कर दिया गया है। बड़ा जोखिम यह है कि सार्वजनिक परियोजनाओं में लापरवाही भरी निगरानी और घटिया रखरखाव का चलन निजी क्षेत्र में भी पहुंच जाता है, जिसके पास सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ती जा रही हैं। बेंगलूरु हवाईअड्डे के टर्मिनल 2 की छत निर्माण के डेढ़ साल के भीतर ही टपकना शुरू कर देती है, जबकि उसमें 74 फीसदी हिस्सेदारी निजी क्षेत्र की है। पिछले साल निजी क्षेत्र की कंपनी द्वारा चलाए जा रहे दिल्ली हवाईअड्डे के टर्मिनल की छतरी भारी बारिश के कारण गिर गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पहले सोमवार को दूध, बेल पत्र और धतूरे चढाकर किया अभिषेक, शहरभर के मंदिरों पर नजर आई भीड़

बम-बम भोले के जयकारे से गूंज उठे शिवालय

गुड इवनिंग, सारंगपुर

सावन के महीने में शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है, प्रतिदिन छोटे-बडे शिवालयों में पहुंचकर लोग भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं, लेकिन श्रावण मास के सोमवार को और भी अधिक उत्साह देखा गया है। अलग-अलग स्थानों पर अभिषेक करने की अलग-अलग प्रकार की मान्यताएं हैं उसी प्रकार से सभी मंदिरों में अभिषेक किया गया।

तत्कालीन राजा सारंगदेव ने बनवाया था तिलभांडेश्वर मंदिर-सारंगपुर क्षेत्र आस्था व संस्कृति की विरासत से भरा है। मालवा की माटी मंदिर व देवी-देवताओं की प्रतिमाओं से शोभायमान है। यहां के तत्कालीन राजा सारंगदेव (मान्यतानुसार) ने तिलभांडेश्वर मंदिर बनवाया था। तिलभांडेश्वर का प्राचीन मंदिर है।

देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के मामले में सारंगपुर प्रथम-नगर के पंडित पवन पारीक ने बताया कि आज सावन माह का प्रथम सोमवार है। देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के मामले में सारंगपुर का स्थान विशिष्ट है। विद्वानों के मतानुसार, साधना में शिव एवं शक्ति की प्रधानता है।

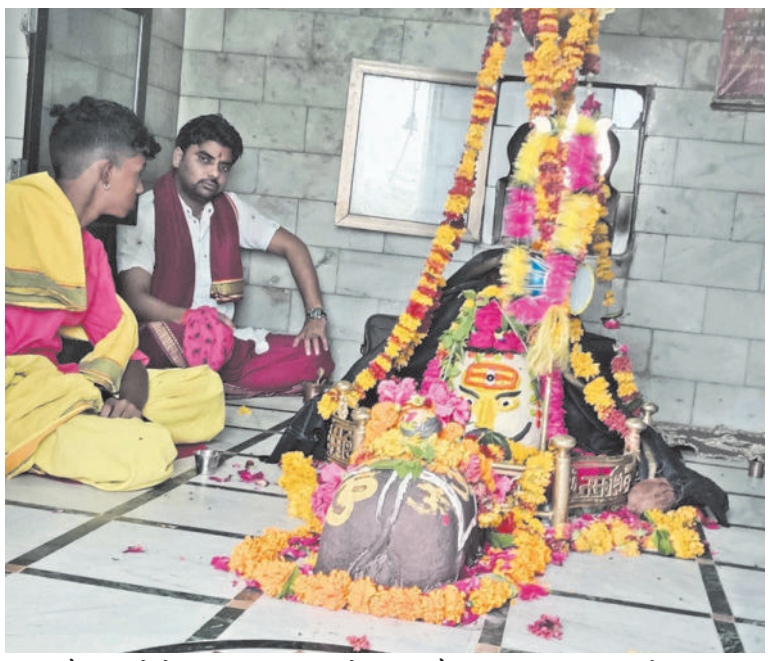

शैव सम्प्रदाय का मुख्य केंद्र-सारंगपुर नगर कभी शैव संप्रदाय के लोगों से भरा पूरा शिव उपासना का केन्द्र बिंदु रहा होगा। शहर की चारों दिशाओं व शहर के बीच में बाबा भोले के अलग-अलग 5 प्राचीन मंदिर ओम (ॐ) आकृति से शहर का नक्शा बनाते हैं। अलग-अलग दिशाओं में शहर में स्थित पांचों मंदिरों को एक नक्शे के माध्यम से रेखांकित करने पर (ॐ) आकृति निर्मित होती है।

इस दिशा में यह मंदिर, हर दिशा में हुई पूजा अर्चना-शहर से पूर्व दिशा में स्थित श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर, पश्चिम में श्री ओंकारेश्वर महादेव मंदिर, उत्तर में श्री कपिलेश्वर महादेव मंदिर, दक्षिण में श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर है। इसके अलावा शहर के बीच एबी रोड पर श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर है। यहां पांचों मंदिर (ॐ) आकार में स्थित है। सावन का पहला सोमवार होने के कारण नगर के कपिलेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर महादेव, वटकेश्वर महादेव, ओम्कारेश्वर महादेव, पूर्णस्वरमहादेव, सिद्धेश्वर महादेव ओर मनकामनेश्वर महादेव के मंदिरों में भी श्रृदालु दर्शन के लिए पहुचें और विशेष पूजा-अर्चना की।

इंदौर पुलिस थानों में लगी 'अपराध मुक्ति पाठशाला'

फोटो : गुड इवनिंग

इंदौर। पुलिस कमिश्नर संतोषकुमार सिंह के निर्देश पर थाना एमआईजी और खजराना में अपराधियों के लिए विशेष पाठशाला का आयोजन किया गया। इस नवाचार के तहत 1800 से अधिक आदतन बदमाशों और उनके परिजनों को अपराध से दूर रहने की सीख दी गई। डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह और एसीपी हिमानी मिश्रा व कुंदन मंडलोई के मार्गदर्शन में बदमाशों को समझाइश दी गई कि वे अपराध छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटें और अपने परिवार को सुरक्षित जीवन दें।

कमरे में बंद करके भागा मकान मालिक, बजरंग दल की तत्परता से बची जान

छेड़छाड़ का विरोध किया तो युवती को बनाया बंधक

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने दरवाजा तोड़कर पीड़िता को निकाला बाहर

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर के तुकोगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत काजी की चाल इलाके में सोमवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब एक 18 वर्षीय युवती को उसके मकान मालिक ने कमरे में बंद कर दिया और मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर बजरंग दल की टीम ने तत्परता दिखाई और युवती को सुरक्षित बाहर निकालकर थाने पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी अयाज खान पिता रियासत खान (उम्र 52) के खिलाफ छेड़छाड़ समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

घटना की शुरुआत तब हुई जब बजरंग दल के कार्यकर्ता कृष्णा वाघ को सूचना मिली कि एक युवती को मुस्लिम व्यक्ति ने कमरे में बंधक बनाकर रखा है। वाघ ने बिना देर किए पीयूष कौशल और उनकी टीम को मौके पर भेजा। दल में दीपेश, रितेश, कुशल शिंदे, सुमित वकोडे, और वक्की जैसे जुझारू कार्यकर्ता भी शामिल थे।

गलत निगाह रखता था मकान मालिक-जैसे ही टीम काजी की चाल इलाके में स्थित उस घर पर पहुंची, युवती से संपर्क कर सच्चाई सामने लाई गई। पीड़िता ने बताया कि उसका मकान मालिक अयाज खान पहले उस पर गलत निगाहें डालता था। सोमवार को उसने छेड़छाड़ की कोशिश की और विरोध करने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर बिजली की लाइट भी काट दी। आरोपी ने पूरे कमरे की एमसीबी निकाल दी और मौके से भाग गया। जब बजरंग दल की टीम वहां पहुंची तो कमरे की चिटकनी बाहर से बंद थी, यानी मकान मालिक युवती को कमरे में बंधक बनाकर फरार हो गया था। कार्यकर्ताओं ने दरवाजा तोड़कर युवती को बाहर निकाला और तुकोगंज थाने लेकर पहुंचे।

थाने में सुनाई आपबीती

थाने में युवती ने जब अपनी आपबीती सुनाई, तो मौजूद पुलिसकर्मी और अन्य लोग भी सन्न रह गए। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने आरोपी अयाज खान के खिलाफ धारा 332 (उ), 74, 127 (2) के तहत मामला दर्ज किया और तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी अयाज खान एक दागी किरदार है। मोहल्ले के स्थानीय निवासियों ने खुलासा किया कि एक साल पहले उसने शादी की थी, लेकिन इसके पूर्व भी उस पर दुष्कर्म और एक हिंदू महिला की हत्या का मामला दर्ज है। ऐसे में बजरंग दल ने सवाल उठाए हैं कि ऐसे अपराधी खुलेआम समाज में कैसे घूम रहे हैं और पुलिस की नजरों से कैसे बचे हुए हैं? घटना के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कृष्णा वाघ ने कहा, हमारी बहन-बेटियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। समाज विरोधी तत्वों को जेल के पीछे भेजना ही हमारा संकल्प है।

12 साल के बच्चे की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

गुड इवनिंग, इंदौर

कनाड़िया में रहने वाले 12 साल के राज सूर्यवंशी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। बुखार आने के बाद उसके पिता उसे एक बाबा के पास झाड़ा दिलवाने ले गए थे। झाड़ा देने के बाद बाबा ने राज को डॉक्टर के पास ले जाने को कहा था। दो अस्पतालों ने इलाज करने से इंकार कर दिया। एमवाय अस्पताल पहुंचे तब तक बच्चे की मौत हो गई थी।

कनाडि?या पुलिस ने बताया कि तेजकरण सूर्यवंशी बेटे राज को लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचे थे। यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने राज को मृत घोषित कर दिया। तेजकरण ने बताया कि राज इलाके के दोस्तों के साथ तालाब घूमने गया था। इसके बाद उसे बुखार आया। हम बाबा से झाड़ा दिलवाने झलारिया ले गए। झाड़ा देने के बाद बाबा ने बुखार को लेकर डॉक्टर के पास ले जाने को कहा। परिवार राज को सांई कृपा अस्पताल ले गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दूसरे अस्पताल ले जाने को कह दिया। परिवार दूसरे अस्पताल ले गया, तो वहां से एमवाय ले जाने की सलाह दी गई। परिवार एमवाय लेकर पहुंचा, जहां कुछ देर बाद बच्चे की मौत हो गई। तेजकरण निजी इलेक्ट्रानिक कंपनी में काम करते हैं। राज उनका इकलौता बेटा था और छठी कक्षा में पढ़ता था। वे मूल रूप से सागर के रहने वाले हैं।

सड़क पर जमा पानी के बीच गिरे तार को हटाने गया नाबालिग झुलसा

गुड इवनिंग, इंदौर

सड़क पर पानी जमा होने के बाद एक तार को हटाने गए नाबालिग को करंट लग गया। हादसे के बाद वह पानी में तड़पता रहा। उसे स्थानीय लोगों ने बचाया। बाद में इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका उपचार चल रहा है।

घटना चंदन नगर के अहमद नगर बांक की है। यहां पर एक नाबालिग को करंट लग गया। बताया जाता है कि तेज बारिश के कारण यहां पर पानी भरा गया था। इसमें तार टूटे पड़े थे। दो नाबालिग यहां सडक पर जमे पानी में खेल रहे थे। इसी दौरान वहां बिजली के टूटे तार को हटाने के दौरान बच्चे को करंट लग गया। जिसमें वह झुलस गया। बाद में रहवासियों ने उसे जैसे तैसे बचाया ओर फिर अस्पताल भेजा। स्थानीय रहवासियों ने यहां बिजली कंपनी और नगर निगम पर आरोप लगाए है। लोगों का कहना है कि यहां हल्की बारिश में पानी जमा हो जाता है। वही मेंटनेंस के नाम पर बिजली कंपनी काफी समय तक बिजली सप्लाय तो बंद कर देता है। लेकिन टूटी केबल और पोल से आ रहे तारों पर ध्यान नहीं देता। इसके कारण यहां हादसे होते है। कुछ दिन पहले भी ड्रेनेज में एक बच्चा गिरते हुए बचा था।

पेड़ की शाखा गिरी, हादसा टला

इंदौर। शहर में कल प्रशासनिक संकुल में एक पेड़ की शाखा गिर गई। इससे इसके नीचे खड़ा दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय यहां कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

फोटो : गुड इवनिंग

सीसीटीवी से होगी तोडफोड़ करने वालों की पहचान

इंदौर। बाणगंगा इलाके के नंदबाग में शराब दुकान में तोडफोड़ में अभी नामजद किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बाणगंगा इलाके में लंबे समय से शराब दुकान का विरोध कर रहे रहवासियों का गुस्सा फूट पड़ा था और उन्होंने दुकान पर पथराव और तोडफोड़ कर दी। लोगों ने शराब की बोतलें,काउंटर और रैक भी तोड़ दिए थे। एसीपी रूबिना मिजवानी ने बताया कि घटना के वीडियो के आधार पर थाना बाणगंगा में 15 लोगों पर नामजद केस दर्ज कर लिया गया था। सीसीटीवी फुटेज से अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

स्टेशन पर फर्जी यूपीआई ट्रांजेक्शन दिखाकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

मदद मांगने के बहाने नकद के बदले ऑनलाइन पेमेंट करने को कहता था बदमाश

गुड इवनिंग, इंदौर

जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर फर्जी यूपीआई एप के जरिये यात्रियों से ठगी करने वाले बदमाश को पकड़ा है। आरोपी यात्रियों को परेशानी बताकर मदद मांगने के बहाने नकद के बदले ऑनलाइन पेमेंट करने को कहता था। फिर फर्जी एप से भुगतान दिखाकर उनसे नकदी लेकर भाग जाता था।

पुलिस के अनुसार आरोपी का नाम दिव्य अलावा (22) निवासी टावर चौराहा इंद्रपुरी कॉलोनी है। वह मूल रूप से ब्लॉक पुलिस लाइन धार का रहने वाला है। 2 जुलाई को एक युवक ने शिकायत की थी कि वह अग्निवीर भर्ती परीक्षा देकर उज्जैन जाने के लिए इंदौर आया था। टिकट काउंटर के पास एक युवक आया। कहने लगा उसके पास नकदी नहीं है। मुझे कैश दे दो, मैं ऑनलाइन पेमेंट कर देता हूं। फिर बदमाश ने फर्जी तरीके से ट्रांजेक्शन देखाया जो असली पेमेंट जैसा इंटरफेस था। युवक ने ट्रांजेक्शन चेक किए 500 रुपए दे दिए। बाद में धोखाधड़ी का पता चला। इसी प्रकार 29 जून को फरियादी संजय निवासी महू इंदौर स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। संजय से भी बदमाश ने ऐसे ही झांसा देकर 1,000 रुपए की धोखाधड़ी कर ली।

कैमरे से पकड़ाया आरोपी-जीआरपी ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर लगे कैमरों की जांच की तो बदमाश की पहचान कर ली गई। उसे उसके घर से पकड़ लिया।

धारदार हथियार से हमला, सात घायल

दो पक्षों के बीच हुआ खूनी संघर्ष

गुड इवनिंग, इंदौर

सिमरोल क्षेत्र में आपसी विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। एक-दूसरे पर धारदार हथियार से हमला किया गया। हमले में दोनों पक्ष के करीब सात लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। थाना सिमरोल पुलिस के मुताबिक विवाद अंबाचंदन रोड ग्राम दतोदा में हुआ। पुलिस ने एक पक्ष से फरियादी नंदकिशोर पिता लक्ष्मीनारायण उदीवाल(58) की रिपोर्ट पर आरोपी रामप्रसाद पिता लक्ष्मीनारायण घोडेला,राजाबाबू पिता लक्ष्मीनारायण घोडेला,राजाबाबू पिता ओमप्रकाश, योगेश पिता रामप्रसाद घोडेला,हेमू पिता गेंदालाल उदीवाल के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना फरियादी के खेत के पास हुई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी गालियां देने लगे। मना किया तो राजाबाबू उदीवाल पर रामप्रसाद ने फरसे से वार कर दिया। जिससे हथेली,पीठ और पेट में चोट आई। बीच बचाव करने पत्नी रेखाबाई,बहन सुमनबाई,साला सुभाष आए तो उन पर तलवार से हमला किया। रेखाबाई को सिर और हाथ मनें चोट आई। बहन सुमनबाई को राड से हमले में कमर,पसली में चोट लगी जबकि साला सुभाष भी घायल हो गया। राजाबाबू व सुमन पर डंडे से वार किए गए। आरोपियों ने धमकाया कि अगली बार रास्ते पर दिखे तो तुम्हें जान से खत्म कर देंगे। पुलिस ने दूसरे पक्ष से फरियादी रामप्रसाद पिता लक्ष्मीनारायण की रिपोर्ट पर आरोपी नंदकिशोर,राजाबाबू, दिलीप पिता नारायण मालीवाल और सुभाष पिता नारायण निवासी दतोदा पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि आरोपी मुझे देखकर गालियां देने लगे। मैंने मना किया तो मुझे नंदकिशोर ने फरसा से मारा जो कंधे पर लगा। सुभाष ने डंडे से मारा। मेरा लडका योगेश और भतीजा कमलाशंकर बीच बचाव करने आए तो तलवार से हमला कर दिया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत

गुड इवनिंग, इंदौर

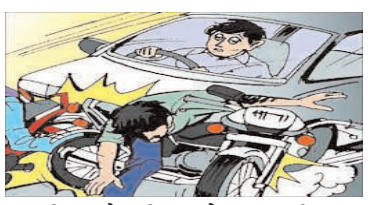

तिलक नगर क्षेत्र में तेज रफ्तार कार चालक ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। वह काम कर के घर लौट रहा था। राहगीरों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, वहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक का नाम आनंद (30) पिता रामकरण यादव निवासी आजाद नगर है।

परिजन ने पुलिस को बताया कि वह होटल में काम करता था। देर रात घर लौट रहा था। हादसा तिलक नगर मेन रोड पर हुआ। इसके बाद कार चालक फरार हो गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव धाम** द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग लून, 22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं सफायर ट्विन्स, 102 फर्स्ट फ्लोर, पीयू 3, विजयनगर, एबी रोड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। फोनः 0731-4000244
आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2017/72473 डाक पंजीयन क्रमांक- MP/IDC/1550/2020-2022, **प्रधान संपादक : राजीव धाम, एग्जीक्यूटिव संपादक गिरांज सिकरवार,** स्थानीय संपादक : **कमलेश गुरु** *, (*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।